तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh

phone: 0771-2543112

■ रायपुर,मंगलवार 23 दिसंबर 2025 ■ पौष शुक्ल पक्ष-4 ■ वर्ष -41 ■ अंक-264 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 24 दिसंबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

कोरबा में बीजेपी नेता की दिनदहाड़े हत्या

कार सवार 3 बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

कोरबा 23 दिसंबर। कोरबा से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही हैं। यहां दिनदहाड़े अज्ञात कार सवार बदमाशों ने कटघोरा जनपद के पूर्व उपाध्यक्ष व बीजेपी नेता अक्षय गर्ग की हत्या कर फरार हो गये। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गये है। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी भी मौके के लिए रवाना हुए है। वहीं इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के मुताबिक हत्या की ये वारदात जटगा पुलिस चौकी क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि कटघोरा जनपद के पूर्व उपाध्यक्ष और भाजपा नेता अक्षय गर्ग पर आज सुबह अज्ञात हमलावरों ने जानलेवाह हमला कर दिया। उनका ग्राम केसलपुर में सड़क निर्माण का ठेका कार्य चल रहा था। सुबह के वक्त वह ग्राम केसलपुर निर्माण स्थल पर निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। तभी कार सवार तीन लोगों ने

अक्षय गर्ग का रास्ता रोककर उस पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने के बाद फरार हो गये। घटना की जानकारी मिलते ही हड़कंप मच गया। आनन फानन में अक्षय गर्ग को कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। बताया जा रहा है कि यहां डॉक्टरों ने परीक्षण उपरांत अक्षय गर्ग को मृत घोषित कर दिया है। वहीं दिनदाहड़े भाजपा नेता की हत्या की खबर मिलते ही जिले में हड़कंप मच गया। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी से जब इस घटना की जानकारी चाही गयी, तो उन्होने बताया कि उन्हे भी घटना की जानकारी मिली है। वे खुद घटनास्थल के लिए रवाना हुए है। हमलावर कौन थे ? किस हथियार से हमला किया गया ? ये अभी जांच का विषय है। वहीं इस हत्याकांड के पीछे व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा होने की भी बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस ने इस घटना के बाद क्षेत्र में नाकेबंदी कर भाजपा नेता की हत्या करने वाले फरार कार सवार तीन लोगों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों को एकजुट करने के लिए जाते हैं विदेश : भाजपा

नई दिल्ली,23 दिसंबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत का संस्थागत ढांचा पूरी तरह से खतरे में है और इसका इस्तेमाल सत्ताधारी भाजपा के पक्ष में हथियार के तौर पर किया जा रहा है। बर्लिन के हर्टी स्कूल में गांधी के भाषण पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता पर विदेशों में भारत का अपमान करने का आरोप लगाया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने मंगलवार को जर्मनी में हुई एक बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता विदेशी धरती पर अराजकता, अशांति और भारत की विफलता का माहौल बना रहे हैं। राहुल गांधी की टिप्पणियों पर

कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भंडारी ने ऐसे बयानों के पीछे के इरादे पर सवाल उठाया और कांग्रेस पर भारत-विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता के बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए भंडारी ने लिखा, क्या भारत से प्यार करने वाला व्यक्ति भारत की विफलता चाह सकता है? जर्मनी में राहुल गांधी कहते हैं कि उन्हें लगता है: लोग आपस में लड़ेंगे, भारत विफल होगा और अशांति फैलेगी। भारतीय राज्य से लड़ने से लेकर अराजकता की धमकी तक। भाजपा प्रवक्ता ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रगति के विरोधी तत्वों को एकजुट करने के लिए विदेश यात्रा करते हैं। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी की कांग्रेस अपने वैचारिक संरक्षक जॉर्ज सोरोस के साथ मिलकर भारतीय लोकतंत्र में अराजकता और अशांति फैलाना चाहती है। राहुल ऐसी भारत विरोधी ताकतों को एकजुट करने के लिए विदेश जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर भारत की वैश्विक छवि और लोकतांत्रिक ढांचे को लगातार कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी "भारतीय लोकतंत्र से नफरत करती है" और "भारत की प्रगति से नफरत करती है।

जंगल में तेंदुए का शिकार पैरों के पंजे गायब

धमतरी,23दिसंबर। जिले के मगरलोड क्षेत्र के कोरगांव के जंगल में सोमवार को एक मृत तेंदुआ मिलने से हड़कंप मच गया है. तेंदुआ के चारों पैर के पंजे भी गायब हैं. घटना की सूचना मिलते ही जंगल सफारी रायपुर से डॉग स्क्वायड की टीम धमतरी पहुंची. उन्होंने रात भर क्षेत्र में निगरानी की. मामले को लेकर स्थानीय चरवाहों और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, मगरलोड के उत्तर सिंगपुर कक्ष क्रमांक 23 में 22 दिसंबर को शाम करीब 4:45 बजे एक तेंदुआ मृत मिला. पोस्टमार्टम हो चुका है. रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो पाएगा कि तेंदुआ का शिकार किया गया है या नहीं. बता दें कि इससे पहले 17 दिसंबर को कवर्धा जिले के जानकारी के अनुसार, मोतीनपुर और बोटेसूर गांव के बीच जंगल में तेंदुए का शव मिला था. जो करीब एक सप्ताह पुराना था.

फर्नीचर फैक्ट्री में आग से लाखों का नुकसान

जांजगीर-चांपा,23 दिसंबर। सारागांव क्षेत्र के बम्हनीडीह रोड स्थित श्रीराम फर्नीचर फैक्ट्री में भीषण आगजनी की घटना सामने आई है। आग से फैक्ट्री में रखा फर्नीचर खाक हो गई। जिसमें लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना 17 दिसंबर की रात लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फैक्ट्री परिसर में अचानक धुंआ उठता दिखाई दिया, जब तक लोग कुछ समझ पाते , आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही सारागांव पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया गया।

फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब तीन घंटे कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आगजनी के दौरान फैक्ट्री में अफरा तफरी का माहौल बना रहा। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। हालांकि प्रारंभिक तौर पर शार्ट शर्किट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अजित पवार के नेता का अपहरण,पिटाई

मुंबई,23दिसंबर। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी चीफ और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के नेता जीवन घोगरे पाटिल का अपहरण कर पिटाई करने का मामला सामने आया है। 7 लोगों ने पहले तो जीवन घोगरे को किडनैप किया उसके बाद बेदम पिटाई की। अपहरण करने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। किडनैप करने का आरोप पूर्व नेता प्रताप चिखलीकर पर लगा है। वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल ये पूरा मामला महाराष्ट्र के नांदेड शहर का है। नांदेड नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट के नेता जीवन घोगरे पाटील को कथित तौर पर किडनैप किया गया। CCTV फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि जीवन घोगरे पाटील को उनकी गाड़ी से किडनैप कर लिया। घोगरे पाटील का आरोप है कि अपहरण के बाद उन्हें ले जाकर बेरहमी से पीटा गया। जीवन घोगरे घायल हुए हैं और फिलहाल उनका उपचार चल रहा है।

इस मामले में नांदेड ग्रामीण पुलिस गहनता से जांच कर रही है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जीवन घोगरे की शिकायत के मुताबिक, 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

14 लाख 63 हजार रुपए मूल्य का मिलावटी पनीर जब्त

रायपुर,23दिसंबर। आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पोषण युक्त खाद्य सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशन में विभाग लगातार प्रयासरत है। विभाग द्वारा नागरिकों को गुणवत्तायुक्त खाद्य समाग्री उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश में लगातार कार्यवाही की जा रही है।दुर्ग संभाग में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत जिला दुर्ग से विभिन्न खाद्य पदार्थ के कुल – 17 विधिक नमूना, जिला राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से कुल 11 विधिक नमूना, जिला बेमेतरा से कुल 16 विधिक नमूना एवं जिला बालोद से कुल 18 विधिक, जिला कवर्धा से कुल 08 विधिक नमूना लेकर जांच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है, जांच रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। संभाग के विभिन्न जिलों में विभिन्न खाद्य पदार्थों का सतत् निगरानी व निरीक्षण किया गया विशेषकर फूटा चना में अधिकांशतः मिलाये जाने वाले अखाद्य रंग एवं मिलावटी पनीर पर सख्त कार्यवाही करते हुए रौनक इंटरप्राइजेस पनीका राजनांदगांव में स्किम मिल्क पावडर व पाम ऑयल से बनाये जा रहे 460 किलो पनीर मौके पर नष्ट कराया गया। विशाल मेगा मार्ट राजनांदगांव में एक्सपायरी प्रोडक्ट पाये जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया।जिला रायपुर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया गया इसी क्रम में मेसर्स गोपी डेयरी एण्ड स्विट्स बोरिया खूर्द से अस्वस्थकर दशा में निर्माण व भण्डारीत पाये जाने पर 200 किलो मिठाई, मौके पर नष्ट किया गया एवं खोवा कलाकंद, कृष्णा बर्फी के 900 किलो को जब्त किया गया जिसका मूल्य 1,75,000 (एक लाख पचहत्तर हजार रूपये) रूपये है।

विभाग द्वारा मिलावटी पनीर मे निगरानी व जांच की मुहिम चलाकर, विक्रेताओ पर सख्त कार्यवाही करते हुए विभिन्न प्रतिष्ठा , एस.जे. डेयरी निमोरा से कुल 4450 कि.ग्रा. पनीर, फर्म काशी एग्रो फूड बिरगांव से कुल 500 कि.ग्रा. एनालॉग कॉटेज, फर्म विवान फूड मलसाय तलाब प्रोफेसर कॉलोनी से कुल 500 कि.ग्रा. पनीर, जिन सबका कुल अनुमानित मूल्य 14,63,500 (चौदह लाख तिरसठ हजार पांच सौ रूपये) रूपये हैं, जब्त किया गया एवं सभी का विधिक नमूना संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजा गया। रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम 2011 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जायेगी। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सर्विलांस प्लान के तहत विभिन्न प्रतिष्ठानों से ड्राई फ्रूट – खजूर व किशमिश का नमूना एवं विभिन्न प्रकार के चॉकलेट का नमूना लेकर जांच हेतु भेजा गया।

शिक्षक-सड़क की मांग ग्रामीणों ने किया एनएच जाम

गरियाबंद,23 दिसंबर। जिले के उदंती-सीता नदी अभ्यारण्य के कोर जोन में स्थित साहेबीन कछार गांव के 200 से ज्यादा ग्रामीण सड़क पर उतर आए हैं. शिक्षक, सड़क और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांगें पूरी न होने से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह नेशनल हाईवे-130C पर पहुंचकर चक्का जाम कर दिया. हाईवे जाम होने से दोनों ओर यात्री बसों समेत अन्य वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं. ग्राम प्रमुख अर्जुन नायक और रूपसिंह मरकाम के नेतृत्व में यह धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है. इस दौरान मौके पर इंदागांव पुलिस पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रही है. हालांकि बार-बार प्रशासनिक आश्वासनों से थक चुके ग्रामीण इस बार अपनी मांगें पूरी होने पर ही प्रदर्शन खत्म करने की जिद पर अड़े हैं. उनकी मांग है कि मुख्यमार्ग बम्हनीझोला से उड़ीसा, सीमा तक 25 किलोमीटर पक्की सड़क का निर्माण किया जाए। इंदागांव में स्थानांतरित किये गये आदिवासी कन्या छात्रावास एवं कन्या शाला साहेबिनकछार को मूल स्थान पर संचालित किया जावें तथा भवन निर्माण किया जावें. सभी विद्युत विहीन ग्रामों में विद्युतीकरण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जावें. ग्राम पंचायत साहेबिनकछार के आश्रित ग्राम – करलाझर, साहेबिनकछार, नागेश, कोदोमाली में वर्ष 2023 से स्वीकृत मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत बन रहे अधुरे शाला भवनों को पूर्ण किया जावें. 28 अक्टूबर को ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप अपनी 8 सूत्रीय मांगों से अवगत कराया था. अर्जुन नायक ने बताया कि पिछले 3 साल में हर उस जगह अपनी मांगों को अवगत कराया गया था, जहां से उम्मीद दिख रही थी. लेकिन सभी स्थानों पर केवल धोखा मिला. बार-बार के आश्वासन से थक चुके हैं. ग्रामीण इस बार आर पार की लड़ाई का मन बना कर मंगलवार सुबह से सड़क को जाम किया है.

दिल्ली में बांग्लादेशी हाई कमीशन के बाहर प्रदर्शन

ढाका,23 दिसंबर। बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की हत्या को लेकर देशभर में आक्रोश देखने को मिल रहा है। मंगलवार को दिल्ली स्थित बांग्लादेशी हाई कमीशन के बाहर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता हाथों में मोहम्मद यूनुस के पोस्टर लेकर 'बांग्लादेश बायकॉट' और 'बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए एक आवाज' जैसे नारे लगाते नजर आए। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य

संगठनों के कार्यकर्ता शुरुआती बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ गए, जिसके बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। विश्व हिंदू परिषद के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए मंगलवार सुबह से ही बांग्लादेशी हाई कमीशन के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल के साथ अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। प्रदर्शनकारियों को हाई कमीशन की ओर बढ़ने से पहले ही रोकने के लिए कई स्तरों पर बैरिकेडिंग की गई थी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पहला बैरिकेड तोड़ने में सफल रहे। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उन्हें हाई कमीशन तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया और स्थिति को नियंत्रित कर लिया। दीपू चंद्र दास की हत्या को लेकर दुनियाभर में हिंदू समुदाय में आक्रोश देखा जा रहा है। भारत के अलावा नेपाल में भी दीपू को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किए गए हैं। वहीं, अमेरिका से लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ तक बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों का मुद्दा उठाया गया है। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ा दी है। पिछले सप्ताह छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में एक बार फिर अशांति फैल गई। हादी सरकार विरोधी प्रदर्शनों का प्रमुख चेहरा था, जिन आंदोलनों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट हुआ था। हालिया प्रदर्शनों के दौरान कुछ समूहों ने भारत के खिलाफ भी नारेबाजी की।

सुवेंदु ने कहा कि हम दास की हत्या में संलिप्त सभी लोगों के लिए कड़ी सजा चाहते हैं। हम चाहते हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हमले तुरंत बंद हों। अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश में अगर हिंदुओं पर हमले बंद नहीं हुए, तो हम 26 दिसंबर को 10,000 लोगों के साथ बांग्लादेशी उप उच्चायोग पर फिर से आएंगे। भाजपा नेता ने कहा कि इस हत्या के विरोध में 24 दिसंबर को हिंदू संगठन पूरे प्रदेश में कुछ समय के लिए सड़क जाम करेंगे।

बांग्लादेश की जीडीपी पर मचा भूचाल,भारत के आगे जोड़ेगा हाथ

ढाका,23 दिसंबर। बांग्लादेश जिसे भारत ने 1971 में पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्त कराया था। लेकिन आज हालात इतने बदल चुके हैं कि सवाल उठने लगे कि क्या बांग्लादेश अपनी ही पहचान खोता जा रहा और क्या वो एक बार फिर उसी रास्ते पर बढ़ रहा जिस पर पाकिस्तान पहले ही फिसल चुका है। इतिहास गवाह है कि जब किसी देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाती है तो सबसे पहले इंसानियत घायल होती है। आज वही कहावत बांग्लादेश पर बिल्कुल सटीक बैठती है। वही बांग्लादेश जिसकी आजादी के लिए भारतीय सैनिकों ने अपनी जान कुर्बान कर दी थी। वही बांग्लादेश जिसे भारत ने 1971 में पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्त कराया था। लेकिन आज हालात इतने बदल चुके हैं कि सवाल उठने लगे कि क्या बांग्लादेश अपनी ही पहचान खोता जा रहा और क्या वो एक बार फिर उसी रास्ते पर बढ़ रहा जिस पर पाकिस्तान पहले ही फिसल चुका है।

हाईकोर्ट ने सरकारी शिक्षकों के समान पेंशन की याचिका की खारिज

बिलासपुर,23दिसंबर। हाईकोर्ट ने शासकीय अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों के सेवानिवृत्त शिक्षकों को सरकारी स्कूल के शिक्षकों के समान पेंशन का लाभ प्रदान करने पेश याचिका को खारिज करते हुए कहा कि, कोर्ट विधायिका को कोई खास कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकता। संवैधानिक व्यवस्था के तहत संसद को कानून बनाने की संप्रभु शक्ति प्राप्त है। बाहरी शक्ति कोई खास कानून जारी नहीं कर सकती है। शासन से अनुदान प्राप्त निजी शिक्षण संस्थानों के सेवानिवृत्त शिक्षकों ने शासकीय कर्मचारियों के समान लाभ व पेंशन दिलाए जाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में अलग अलग याचिकाएं पेश की थी। याचिका में कहा गया कि अनुदान प्राप्त स्कूलों के कर्मचारी राज्य सरकार के कर्मचारियों के समान वेतन के हकदार हैं। इस तथ्य के बावजूद अधिकारी याचिकाकर्ताओं को पेंशन लाभ नहीं दे रहे हैं, याचिकाकर्ताओं को पेंशन देने से इनकार किया है। सरकारी स्कूलों के कर्मचारियों और अन्य 100

प्रतिशत सहायता प्राप्त प्राइवेट कॉलेजों के कर्मचारियों को यह दिया जा रहा है, यह मनमाना और भेदभावपूर्ण है। राज्य अनुच्छेद 14 के तहत निष्पक्ष, उचित और बिना किसी मनमानी के काम करने के लिए बाध्य है। जब वैधानिक योजना समानता का आदेश देती है, और जब सर्कुलर इसकी पुष्टि करते हैं, तो राज्य ऐसे आधारों पर समान व्यवहार से पीछे नहीं हट सकता जो न तो तर्कसंगत हैं और न ही कानूनी रूप से उचित हैं। सार्वजनिक शिक्षा के लिए दशकों समर्पित करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन देने से इनकार करना याचिकाकर्ताओं के गरिमा के साथ जीने के अधिकार पर हमला करता है, जिससे अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होता है। याचिकाकर्ता दशकों तक सेवा करने के बावजूद, वैधानिक दायित्वों को पूरा करने के बावजूद, सेवानिवृत्ति के बाद बिना किसी सहायता के रह गए हैं। ऐसा इनकार समानता, निष्पक्षता और सुशासन के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं एवं शासन के पक्ष सुनने के बाद अपने आदेश में कहा कि, याचिकाकर्ता पेंशन की मांग कर रहे हैं लेकिन यह स्वीकार्य नहीं है क्योंकि उक्त स्कूल न तो सरकारी स्कूल है और न ही याचिकाकर्ता सरकारी कर्मचारी हैं और इस प्रकार याचिकाकर्ताओं का दावा निराधार है। हालांकि राज्य याचिकाकर्ताओं के स्कूल को 100 प्रतिशत ग्रांट-इन-एड दे रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि, याचिकाकर्ता पेंशन के हकदार होंगे, क्योंकि यह सहायता ऐसे स्कूलों को केवल स्कूलों के उचित प्रबंधन और सुचारू संचालन के उद्देश्य से दी जाती है। ग्रांट-इन-एड की आड़ में, याचिकाकर्ता पेंशन की मांग नहीं कर सकते। पहले भी सहायता प्राप्त निजी स्कूलों और कर्मचारी संघों द्वारा ऐसे स्कूलों के लिए पेंशन देने की मांग उठाई गई थी और उचित विचार-विमर्श के बाद, स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने पत्र दिनांक 7 जनवरी 2009 और 5 फरवरी 2009 के माध्यम से ऐसी मांगों को खारिज कर दिया था क्योंकि ऐसे निजी सहायता प्राप्त स्कूलों को पेंशन देने का कोई प्रावधान नहीं है। वहीं, कोर्ट ने कहा कि-याचिकाकर्ता यह साबित करने में विफल रहे कि पेंशन लाभ देने के संबंध में कोई नियम हैं। राज्य को सहायता प्राप्त स्कूलों के सेवानिवृत्त शिक्षकों-कर्मचारियों को राज्य सरकार के शिक्षकों, कर्मचारियों के बराबर पेंशन लाभ देने के लिए नियम बनाने का निर्देश नहीं दिया जा सकता है।

भूपेश बघेल को इतिहास पढ़कर बयान देना चाहिए: अजय

रायपुर,23 दिसंबर। दुर्ग में राज्य स्तरीय सम्मेलन के दौरान पूर्व सीएम बघेल ने बयान दिया था कि मुगल शासन में भी हिंदू कभी खतरे में नहीं थे, बीजेपी और आरएसएस डर फैलाकर चुनाव जीतते हैं. इस बयान पर विधायक अजय चंद्राकर ने हमलावर होते हुए कहा कि भूपेश बघेल को पहले इतिहास पढ़ना चाहिए, फिर बयान देना चाहिए. उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला, मोहम्मद अली जिन्ना और लियाकत अली खान की कितनी पीढ़ी का पहले धर्मांतरण हुआ और किन परिस्थितियों में हुआ. उन्होंने कहा कि वह ऐसे अन्य उदाहरण दे देंगे. कश्मीर डेमोग्राफी क्या थी और क्यों बदली, इसका अध्ययन करने के बाद बहस करें. बिना तथ्य और संदर्भ के बयान देना कांग्रेस की पुरानी आदत है.

सर्व आदिवासी समाज के 24 को छत्तीसगढ़ बंद के आह्वान को लेकर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर का बयान दिया है. उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के जरिए भारतीय संस्कृति और बस्तर पर सुनियोजित हमला किया जा रहा है. इसके पीछे विदेशी ताकतें और अंतरराष्ट्रीय साजिश है. स्थानीय स्तर पर विरोध होना स्वाभाविक है.

आत्मनिर्भरता के बिना मजबूत राष्ट्र की कल्पना अधूरी : प्रेमप्रकाश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 दिसंबर। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय सभागार में आयोजित संगोष्ठी में स्वदेशी, लोकल फॉर वोकल और आत्मनिर्भरता पर विस्तार से मंथन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने स्वदेशी और लोकल फॉर वोकल को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया, वहीं नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने स्वागत भाषण में आत्मनिर्भरता को गांव, शहर, प्रदेश और देश के साथ ही हर स्तर पर अनिवार्य बताते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया। मुख्य वक्ता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने अपने संबोधन में स्वदेशी को जनहितैषी एवं देश हितैषी बताते हुए कहा कि प्रत्येक भारतीय नागरिक को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पारंपरिक व्यवसाय पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्वतः हस्तांतरित होते हैं,

जिनमें अलग से प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं पड़ती, यह हमारी सांस्कृतिक एवं आर्थिक विरासत की विशेषता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पूर्व में अनेक सामग्री विदेशों से आयात की जाती थीं, किंतु आज दुर्लभ से दुर्लभ वस्तुओं का निर्माण भारत में संभव हो गया है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश में वैक्सीन निर्माण इसका सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निर्मित उत्पादों की लागत भी बाहरी उत्पादों की तुलना में कम होती है। नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने स्वागत भाषण देते हुए 13 मई 1998 को हुए परमाणु परीक्षण के बाद भारत पर संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान सहित अन्य देशों द्वारा बनाए गए दबावों का उल्लेख किया तथा आत्मनिर्भरता को गांव, शहर, प्रदेश एवं देश सभी स्तरों पर अनिवार्य बताया। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, जिला भाजपा अध्यक्ष पुरूषोत्तम सिन्हा एवं पूर्व महापौर चंद्रकांता मांडले ने एक स्वर में स्वदेशी एवं लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों के उपयोग से देश की अर्थव्यवस्था सशक्त होती है और देश का धन देश में ही रहता है। कार्यक्रम के अंत में स्वीटी कौशिक ने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में विधायक प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह, पार्षद नोहर वर्मा, प्रदीप सेन, अनिता साहू, स्वीटी कौशिक, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, नटवर ताम्रकार, पूनम शुक्ला, रश्मि सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने अपने दैनिक जीवन में अधिकतम भारतीय उत्पादों के उपयोग, स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने, स्वदेशी अपनाने के लिए युवाओं को प्रेरित करने, भारतीय भाषाओं के प्रयोग, पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के उपयोग तथा देश के पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

जिला साहू संघ अध्यक्ष धर्मराज संगठन सचिव लालचंद साहू बने

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,23 दिसंबर। जिला साहू संघ के निर्विरोध जिला अध्यक्ष धर्मराज साहू जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मनीषा साहू जिला उपाध्यक्ष कौशल साहू जिला संगठन सचिव लोकचंद साहू

जिला संगठन सचिव श्रीमती कौशिल्या साहू सभी पदाधिकारी को बधाई देने तैलीक महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ सियाराम साहू तैलिक महासभा केराष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक साहू जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू पुर्व जिला अध्यक्ष पतिराम साहू , संदीप साहू पुर्व जिला अध्यक्ष शीतल साहू पुर्व जिला अध्यक्ष विष्णु साहू पुर्व जिला अध्यक्ष ईश्वर साहू सातोराज जिलाध्यक्ष श्री मंदन साहू जिला साहू संघ संरक्षक श सुदर्शन साहू जिला साहू संघ संरक्षक चतुराम साहू करमा सेनाजिला अध्यक्ष धनश्याम साहूयुवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष श्री खिलेशवर साहू तहसील अध्यक्ष बोड़ला मिलुरामसाहू तहसील अध्यक्ष लोहारा रजेलाल साहू सहित सभी मंडल पदाधिकारी तहसील पदाधिकारी व सभी साहू समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित रहे ।

एक नजर

दस रुपया किलो आलू मिलने से महिलाओं ओर ग्राहकों में खुशी

कवर्धा,23 दिसंबर (तछसं.)। कवर्धा शहर में पी एच ई ऑफिस से कुछ मीटर दूरी पर आलू दस रुपया किलो मिलने से महिलाओं ओर ग्राहकों में भारी खुशी दिख रही है । एक ग्राहक ने कहा की चिप्स बनाएंगे 10 किलो खरीद रहा हूं । कवर्धा में कई दिनों से ग्राहकों में भारी खुशी दिख रही है । महंगाई के दौर में दस रुपया किलो आलू मिलने से ग्राहक खुश ओर व्यापारी भी ज्यादा बिक्री से खुश रही है ।

आरक्षक की नामिनी को एक करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई

भिलाई,23 दिसंबर (तछसं.)। इस वर्ष तालाब में डूबने पर मरने वाले आरक्षक की नामिनी मां को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई आरक्षक विक्रम सिंह पुलिस विभाग जिला दुर्ग में कार्यरत थे, जिनका 4 मई 2025 को दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया पुलिस विभाग द्वारा एसबीआई से पुलिस सेलरी पैकेज के अंतर्गत सकल बीमा कवरेज का एमओयू. किया गया है, सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक रूपक मंडल, सेक्टर-1 भिलाई तथा एसबीआई शाखा आदर्श नगर, जिला दुर्ग के शाखा प्रबंधक विनिता कोसरिया की उपस्थिति में दुर्घटना में मृत आरक्षक विक्रम सिंह, जिला दुर्ग की नामिनी (माता) सरोज ठाकुर को 1 करोड़ रूपये का चेक सौपा गया।

एक किलो गांजा सहित युवक गिरफ्तार

भिलाई, 23 दिसंबर। भिलाई दुर्ग सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के गांजा तस्कर को पुलिस ने पकड़ाबा उसके कब्जे से कुल 1.102 किलोग्राम गांजा जब्त किया है दुर्ग सिटी पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि नदी रोड महमरा एनीकट मुक्तिधाम दुर्ग के पास एक व्यक्ति मादक पदार्थ गांजा की बिक्री कर रहा हैं सूचना पर पहुंच कर बताये हुलिया के मुताबिक पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उक्त व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ करने पर अपना नाम राज सारथी 26 वर्ष निवासी मठपारा सारथी मोहल्ला बताया। आरोपी के कब्जे से कुल 1ण्102 किलोग्राम गांजा कीमती 54.800 रुपए बिक्री रकम 3210 जब्त किया गया। मामले में पुलिस ने धारा 20 बी नारकोटिक एक्ट ;एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही है।

अवैध धान परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर प्रधान पाठक निलंबित

महासमुंद 23 दिसम्बर । अवैध धान परिवहन में संलिप्तता पाए जाने पर प्रधानपाठक श्री ओमप्रकाश चन्द्राकर, शासकीय प्राथमिक शाला बसूलाडबरी, विकासखण्ड बागबाहरा के विरूद्ध कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देश में निलंबन की कारवाई की गई है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ,बागबाहरा के प्रतिवेदन अनुसार श्री ओमप्रकाश चन्द्राकर, प्रधानपाठक, शासकीय प्राथमिक शाला बसूलाडबरी द्वारा वाहन 407 मे धान भरकर ग्राम लिटियादादर से गांजर मार्ग पर अज्ञात घर के पीछे छिपाने एवं मंडी नियमों का उल्लंघन करते हुये जब्त अवैध धान को शाम 6ः00 बजे कुछ ग्रामवासियों के माध्यम से शासकीय कार्य में बाधा डालते हुये बलपूर्वक ले जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई। उक्त संबंध में श्री ओमप्रकाश चन्द्राकर, प्रधानपाठक को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्पष्टीकरण जारी किया गया। जिसका जवाब परीक्षण उपरांत संतोषप्रद प्राप्त नही पाया गया। उक्त कारण से श्री ओमप्रकाश चन्द्राकर, प्रधानपाठक को छ.ग. सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण, तथा अपील 1966 के नियम 9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

फेडरेशन ने प्रधान पाठक पदोन्नति पर शिक्षा अधिकारी के प्रति जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,23 दिसंबर। छत्तीसगढ़ सहायक/समग्र शिक्षक फेडरेशन ने प्राथमिक प्रधान पाठक पदोन्नति सूची को पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से जारी किए जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया है । फेडरेशन के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा के नेतृत्व में विगत दिनों प्रतिनिधिमंडल ने प्राथमिक विद्यालयों में लंबे समय से रिक्त प्रधान पाठक पदों पर शीघ्र पदोन्नति की मांग को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी से भेंट कर ज्ञापन सौंपा था। प्रधान पाठक पदोन्नति पर हर्ष व्यक्त करने वालों में जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष विनोद देवांगन, ब्लॉक अध्यक्ष पाटन चेतन सिंह परिहार, ब्लॉक अध्यक्ष धमधा उत्तम सिंह ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष दुर्ग सतीश चंद्राकर, ब्लॉक सचिव पाटन राजकुमार बघेल, उपाध्यक्ष खेलावन सिंह कुर्रे सहित टेकेश्वर प्रसाद यदु, देवनारायण बघेल, अंकेश प्रसाद महिपाल, दानेश्वर प्रसाद वर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, सुनील बघेल, चन्द्रशेखर साहू, यादराम साहू, कामता प्रसाद धनकर, कमलेश कुमार साहू, टेकराम चंद्राकर, किशोर कुर्रे, चंद्रप्रकाश ध्रुव, चिंताराम भारतद्वज एवं महिला प्रकोष्ठ पाटन की अध्यक्ष श्रीमती रचना वर्मा, सचिव श्रीमती मनीषा गौतम, हर्षलता साहू, शशिकला कुर्रे सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं।

सांसद निधि से विकास कार्यों के लिए 108.80 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग, 23 दिसंबर। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जनपद पंचायत पाटन के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों के लिए कुल 108.80 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्यसभा सांसद श्री राजीव शुक्ला द्वारा अनुशंसित इन कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पाटन द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम चुनकट्टा वार्ड 13, ग्राम ढौर, ग्राम बोहारडीह, ग्राम तर्रा वार्ड 06, ग्राम असोगा, ग्राम राखी, ग्राम निपानी वार्ड 15 व वार्ड 16 तथा ग्राम बटरेल में दो अलग-अलग स्थानों पर सी.सी. रोड निर्माण हेतु प्रति कार्य 5.20 लाख रुपये के मान से कुल 10 कार्यों के लिए 52 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स के विजेता पुरस्कृत

उतई,23 दिसंबर (तछसं.)। प्रिज्म ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स प्रतियोगिता लक्ष्य 2025 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खो.खो गर्ल्स, वॉलीबॉल बॉयज, कबड्डी गर्ल्स व बॉयज के मुकाबले हुए जिनमें विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया द्य प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के क्रीड़ा निदेशक दिनेश नामदेव एवं विशेष अतिथि राजेंद्र प्रसाद रहे। द्वितीय दिवस की मुख्य अतिथि श्रीमती कल्पना स्वामी एवं विशेष अतिथि श्रीमती आरती शुक्ला रहीं। परिणामरू कबड्डी बॉयज प्रिज्म कॉलेज विजेता, बीएम कॉलेज उपविजेता। खो-खो गर्ल्सकृ प्रिज्म कॉलेज विजेताए मैत्री कॉलेज उपविजेता। कबड्डी गर्ल्स मैत्री कॉलेज विजेताए प्रिज्म कॉलेज उपविजेता। वॉलीबॉलक शैली देवी कॉलेज विजेताए मैत्री कॉलेज उपविजेता। समापन पर विजेता टीमों को पुरस्कार एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन शिवानी सिंह ने किया।

विधायक देवेंद्र का उपवास तीसरे दिन भी जारी, डीआईसी से मुलाकात तक नहीं रुकेगा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 दिसंबर। विधायक देवेंद्र यादव का उपवास लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। जिला प्रशासन और बीएसपी प्रबंधन के अधिकारी सिविक सेंटर स्थित उपवास स्थल पर पहुंचे, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने से विधायक ने डीआईसी से मुलाकात तक अनशन जारी रखने की घोषणा की। विधायक देवेंद्र यादव ने स्पष्ट किया कि उनका संघर्ष बीएसपी प्रबंधन से नहीं बल्कि उसकी नीतियों और निजीकरण के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि वे मर भी जाएँ तो भिलाई नहीं बिकने देंगे। शहर की बसाहट, सेक्टर-9 अस्पताल, मैत्री बाग, स्कूल और टाउनशिप सुरक्षित रहनी चाहिए। वे इस शहर की पहचान को मिटने नहीं देंगे। भिलाई वासियों को जब तक अपनी लड़ाई नहीं समझेंगे, तब तक कुछ नहीं होगा। यह आंदोलन लंबा रहेगा। उपवास के समर्थन में सिविक सेंटर में बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं और युवा पहुँचे। हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर नारे लगाए गए। नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत सहित कांग्रेस विधायक, पूर्व विधायक और जनप्रतिनिधियों ने आंदोलन का समर्थन किया। विधायक द्वारकाधीश यादव, रामकुमार यादव, कविता लहरें, उत्तरी गणपत जांगड़े, विद्यावती सिधार, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, गुलाब कमरों, लोकसभा प्रत्याशी वीरेश ठाकुर, विधायक बालेश्वर साहू, चतुरी नंद, दिलीप लहरिया, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश लखमा, विधायक व्यास कश्यप, शेषराज हरवंश, पूर्व महापौर नीरज पाल, आर.एन. वर्मा, तथा अन्य कई नेता और प्रतिनिधि साथ ही ट्रेड यूनियन, सामाजिक और धार्मिक संगठन, पूर्व विधायक भुवनेश्वर बघेल, ममता चंद्राकर, प्रतिमा चंद्राकर, अरुण वोरा, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय पांडे, भाजपा नेताओं, नागरिक संगठनों और महिलाओं के जत्थों ने आंदोलन का समर्थन किया। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि डीआईसी से मुलाकात के बाद ही आगे की रणनीति तय की जाएगी, लेकिन तब तक उनका सत्याग्रह जारी रहेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष से विधायक रिकेश सेन ने की भेंट

भिलाई, 23 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधायक सेन ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं में ऊर्जा व उत्साह का संचार करने तथा समर्पण भाव से कार्य करने को लेकर चर्चा हुई। विधायक सेन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में संचालित संगठनात्मक गतिविधियों एवं विकास कार्यों की प्रगति से भी अवगत कराया। यह मुलाकात संगठनात्मक समन्वय और आगामी योजनाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दिव्य हनुमंत कथा, 25 दिसंबर को निकलेगी कलश यात्रा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 दिसंबर। सनातन धर्म के ध्वजवाहक बागेश्वर धाम के आचार्य पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के श्रीमुख से आयोजित होने वाली श्री हनुमंत कथा की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 25 दिसंबर को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों की संख्या में महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर कलश लेकर शामिल होंगी। विदित हो कि 25 से 29 दिसंबर तक आयोजित इस दिव्य श्री हनुमंत कथा को लेकर दुर्ग-भिलाई सहित पूरे छत्तीसगढ़ में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। आयोजन समिति सेवा समर्पण समिति के संयोजक एवं कार्यक्रम के आयोजक राकेश पाण्डेय के मार्गदर्शन में तैयारियाँ तीव्र गति से चल रही हैं। कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं दिव्य स्वरूप देने के लिए लगातार बैठकों का दौर जारी है। श्री हनुमंत

कथा के दौरान धर्म परिवर्तन कर चुके लोगों द्वारा घर-वापसी को लेकर भी समिति से संपर्क किया गया है, जिस पर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन स्थल पर पार्किंग व्यवस्था को सुचारू बनाने हेतु पर्याप्त स्थान चिन्हांकित कर बैरिकेडिंग, बस बैरियर एवं सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं। वहीं वालंटियर कार्ड के लिए आवेदन प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। समिति द्वारा परीक्षण के पश्चात सेवा कार्य में सहयोग देने वाले हनुमंत भक्तों को वालंटियर कार्ड प्रदान किया जाएगा।

कार्यकर्ता एवं सहायिका पद के लिए 31 दिसम्बर तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग, 23 दिसंबर। नगर पालिका परिषद जामुल क्षेत्रांतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई 02 जिला दुर्ग के तहत नवीन स्वीकृत देवनगर जामुल वार्ड क्रमांक 17 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के 1-1 पद के नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था, जिसके लिए 31 दिसम्बर 2025 तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया है। दावा आपत्ति हेतु प्राप्त आवेदनों की अनन्तिम सूची परियोजना कार्यालय अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-02 व मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिक परिषद जामुल जिला-दुर्ग के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु चस्पा की गई है। उक्त अवधि में कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 में कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत दावा आपत्ति ही मान्य किया जाएगा।

सेल को संचार उत्कृष्टता के लिए 8 राष्ट्रीय पुरस्कार

भिलाई, 23 दिसंबर। देश की अग्रणी इस्पात निर्माता कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को पीआरसीआई द्वारा आठ राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। पुरस्कार 13-15 दिसंबर को देहरादून में आयोजित 47वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस में प्रदान किए गए। सेल ने इन पुरस्कारों में एआई-संचालित न्यूज़ बुलेटिन एआई सेल ट्रैक, महिला विश्व कप 2025 के एआई आधारित विज्ञापन अभियान, कॉर्पोरेट वेबसाइट, इंडिया स्टील - 2025 इवेंट मैनेजमेंट, मेक इन इंडिया (रक्षा क्षेत्र), ई-न्यूज़लेटर सेलट्रैक, एआई एंड यू इंटरनल संचार अभियान और सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिपोर्ट 2023-24 सहित आठ प्रमुख श्रेणियों में उत्कृष्टता दिखाई। सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने कहा, एआई-संचालित उपकरणों के माध्यम से हमारी संचार रणनीति ने संगठनात्मक विज़न को प्रभावशाली रूप दिया है। हमें पेशेवर संचार के उच्चतम स्तर को बनाए रखते हुए नए मानक स्थापित करने और सेल की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने पर जोर देना चाहिए।

मैत्री कुंज में विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए दिया जा रहा मार्गदर्शन

भिलाई, 23 दिसंबर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा रिसाली स्थित मैत्री कुंज के प्रभु प्राप्ति भवन में विद्यार्थियों के लिए मन की शक्ति से विजय विषय पर विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह निःशुल्क कार्यक्रम कक्षा 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया है, जिसमें परीक्षा की तैयारी, सकारात्मक सोच, शीतकालीन अध्ययन सत्र तथा मानसिक एकाग्रता पर विशेष मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 21 दिसंबर से हुआ है, जो प्रत्येक रविवार प्रातः 9ः30 बजे से 10ः30 बजे तक आयोजित होगा। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं मोटिवेशनल स्पीकर ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने बताया कि मानव मस्तिष्क की शक्तियां असीमित हैं। यदि व्यक्ति व्यर्थ चिंतन से मुक्त होकर सकारात्मक सोच अपनाता है तो उसकी मानसिक क्षमता निरंतर बढ़ती है। उन्होंने कहा कि हमारा मस्तिष्क एक सुपर कंप्यूटर की तरह है, जिसमें अनगिनत सूचनाएँ स्वतः संचित होती रहती हैं, अतः हमें इसे नकारात्मक विचारों का डस्टबिन नहीं बनने देना चाहिए। प्राची दीदी ने विद्यार्थियों को ईर्ष्या एवं तुलना से दूर रहकर आत्म मूल्यांकन करने, अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें सुधारने तथा दूसरों के अवगुणों के बजाय गुणों को अपनाने की प्रेरणा दी।

छत्तीसगढ़ सिख पंचायत ने नगर कीर्तन के आयोजन पर जताया आभार

भिलाई, 23 दिसंबर। छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के अध्यक्ष जसबीर सिंह चहल एवं महासचिव गुरुनाम सिंह ने दशम पिता श्री गुरु गोविंद सिंह साहिब के प्रकाश पर्व को समर्पित नगर कीर्तन के आयोजन पर दुर्ग-भिलाई सहित अन्य क्षेत्रों की समस्त संगत एवं सेवादारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि नगर कीर्तन में कार, ट्रैक्टर, ट्रक सहित विभिन्न वाहनों के माध्यम से बड़ी संख्या में संगत की सहभागिता रही। कार्यक्रम में नगाड़ा टीम, श्री गुरु गोविंद सिंह साहिब जी की छवि से सुसज्जित वाहन, पालकी साहिब, पंजाब से आई ब्रास बैंड पार्टी, धार्मिक धुनों पर वादन करती बैंड पार्टियां, फूलों से सजी झांकियां, गतका टीम तथा श्री गुरु नानक देव जी से लेकर श्री गुरु गोविंद सिंह साहिब जी तक के जीवन एवं संदेशों को दर्शाती धार्मिक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर

कीर्तन के दौरान शिक्षा का लंगर, चाय-नाश्ता, अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण, स्वच्छता सेवादारों, एम्बुलेंस सेवा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं में सभी सेवादारों ने निष्ठा एवं समर्पण के साथ सेवाएं प्रदान कीं। अन्य समाजों की सहभागिता ने आयोजन को और भी भव्य स्वरूप प्रदान किया। यूथ सिख सेवा समिति द्वारा लगभग 5000 बच्चों को शिक्षा किट वितरित की गई। समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, महासचिव जसवंत सिंह सैनी, कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह सहित रणजीत सिंह एवं त्रिलोचन सिंह सिद्धू की टीम का आयोजन में सराहनीय योगदान रहा। सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों, स्त्री सत्संग जत्थों, गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह शहीदा प्रबंधक कमेटी तथा गुरु सिंह सभा कमेटी, सेक्टर-6 द्वारा की गई सुंदर एवं व्यवस्थित व्यवस्थाओं के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया। साथ ही शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन में सहयोग हेतु पुलिस प्रशासन का भी धन्यवाद किया गया।

एक नजर

कलेक्टर ने की धान खरीदी प्रगति की समीक्षा,उपार्जन केंद्रों से धान उठाव में तेजी लाने के निर्देश

बलौदाबाजार, 23 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर दीपक सोनी ने सोमवार को खाद्य, सहकारिता,कृषि एवं अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर धान खरीदी प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने उपार्जन केंद्रों से धान उठाव में तेजी लाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि किसानों से अतिरिक्त रकबा समर्पण अवशय कराएं ताकि शेष रकबा में अन्य किसी का धान बिक्री हेतु उपार्जन केन्द्र ना आए। उन्होने डीओ के विरुद्ध धान उठाव की समीक्षा करते हुए सरना का डीओ कटवाने तथा धान उठाव कार्य में तेजी लाने कहा। इसके साथ ही मिलर्स पर निगरानी रखने के भी निर्देश दिये। चेक पोस्ट सहित संयुक्त टीम द्वारा सतत निगरानी और अवैध धान पर कार्यवाही के निर्देश दिये। बताया गया कि जिले के सभी 166 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी जारी है एवं अब तक 65885 किसानों से 304524.36 मेट्रिक टन धान खरीदी हुई है। इसके साथ ही 38312 किसानों का लगभग 684.49 हेक्टेयर रकबा समर्पण कराया गया है। जिले के 116 उपार्जन केंद्रों से डीओ के विरुद्ध धान उठाव शुरू हुआ है। अब तक 107407.60 मेट्रिक टन धान उठाव हेतु डीओ कटा है, जिसके विरूद्ध 82078.15 मेट्रिक टन धान का उठाव हुआ है।

शराब की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

बलौदाबाजार 23 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। एक कार के माध्यम से अवैध रूप से बिक्री करने के लिए शराब परिवहन करने की मुखबिर की सूचना सूचना पर थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा डी.के. कॉलेज बलौदाबाजार के पास नाकाबंदी किया गया, जिसमें एक सफेद रंग की वेगनर कार में सवार संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा पुलिस की नाकाबंदी को देखकर अपने वैगनर कार क्र. ष्ट्व22 ष्ट 7587 को छोड़कर भाग गए। तत्पश्चात पुलिस द्वारा कार का सूक्ष्मतापूर्वक निरीक्षण किया गया, जिसमें कार से 177 पौवा देसी मसाला शराब मिला, जिसे विधिवत जप्त किया गया तथा प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द कर जांच में विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता द्वारा कार सवार अज्ञात आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के परिपालन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा कार के डिटेल के आधार पर आरोपियों का पता तलाश प्रारंभ किया गया। कार डिटेल के आधार पर वाहन मालिक से पूछताछ एवं अन्य महत्वपूर्ण कडियों को जोड़ते हुए आरोपी वेद प्रकाश उर्फ खिलेश यादव एवं कुंदन सिंह दक्षणी को हिरासत में लिया गया।

समाधान शिविर का आयुक्त ने किया निरीक्षण

राजनांदगांव 23 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जनता की समस्या का समाधान करने तथा उन्हे शासन की योजनाओं का लाभ देने प्रदेश में गत माह से सुशासन तिहार 2025 का आयोजन किया जा रहा है। नागरिकों की समस्या का समाधान के लिए शहर एवं गांव में शिविर लगाया जा रहा है। इसी कडी में नगर निगम, राजनांदगांव द्वारा भी वार्डवासियों की समस्या का निराकरण करने वार्डो के लिए समाधान शिविर लगाए जा रहे है। आज 20 वार्डो के लिए ठा. प्यारेलाल सिंह स्कूल एंव गांधी सभागृह में आयोजित शिविर का आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने निरीक्षण कर अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए। दोनों शिविरो में निगम आयुक्त श्री विश्वकर्मा सहित निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, नेताप्रतिपक्ष श्री संतोष पिल्ले,महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री राजेश जैन रानू, श्री शैकी बग्गा सहित संबंधित वार्ड के पार्षद विशेष रूप से उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जांजगीर-चांपा में जनादेश परब का भव्य आयोजन

जो कहा, वह किया, और जो नहीं कहा, वह भी करके दिखाया:नड्डा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 23 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जांजगीर-चांपा जिले के खोखराभाठा पुलिस लाइन मैदान में आयोजित जनादेश परब में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंच से प्रदेश की उपलब्धियों, जनकल्याण और भविष्य की दिशा पर स्पष्ट संदेश दिया। वंदे मातरम और राज्यगीत के साथ आरंभ हुए कार्यक्रम में जनविश्वास, गौरव और निर्माण के संकल्प को दोहराया गया।

केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि जो कहा था, वह किया - और जो नहीं कहा था, वह भी करके दिखाया।÷ उन्होंने दो वर्षों के रिपोर्ट-कार्ड को रेखांकित करते हुए बताया कि सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और श्रमिकों के हित में संवेदनशील और परिणामकारी निर्णय लिए हैं, जिनका असर जमीनी स्तर पर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के पहले महीने में किसानों को 3700 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान और बीते दो वर्षों में 1.25 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष अंतरण अन्नदाताओं के सम्मान का प्रमाण है। भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए 5 लाख से अधिक हितग्राहियों को 10-10 हजार रुपये की सहायता दी गई, जिससे उनकी सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा मजबूत हुई।

केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती तंत्र, 32 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया, लोक सेवा आयोग में पारदर्शिता, नालंदा लाइब्रेरी की स्थापना और आईटीआई के आधुनिकीकरण जैसे कदमों को उन्होंने ÷भविष्य-निर्माण की नींव÷ बताया। महिलाओं के स्वावलंबन हेतु महतारी वंदन योजना और महतारी सदन, पीएम जनमन के तहत 70 लाख परिवारों को लाभ तथा धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष योजना के माध्यम से आदिवासी समाज के सशक्तिकरण को उन्होंने सरकार की संवेदनशीलता का उदाहरण बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट 22 गुना बढ़ा है, 32 अमृत स्टेशन वर्ल्ड-क्लास मानकों पर विकसित हो रहे हैं और आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, जल जीवन मिशन, पीएम-किसान जैसी योजनाओं का व्यापक लाभ आमजन तक पहुंचा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि सरकार आम जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन, भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना, चरण पादुका सहित अनेक योजनाओं से विकास को गति मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट किया कि नक्सलवाद की कमर तोड़ने और नक्सल-मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की दिशा में ठोस प्रगति हुई है। सुरक्षा, पुनर्वास और विकास - तीनों मोर्चों पर समन्वित रणनीति से शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि विजन डॉक्यूमेंट 2047 के माध्यम से संसाधन-समृद्ध छत्तीसगढ़ को सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने का रोडमैप तय किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को अवसरों का राज्य मिल सके।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि जांजगीर-चांपा में जनादेश परब का आयोजन जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण है। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को एक-एक कर पूरा किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार बनने के बाद 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं और विकास के सभी कार्यों को तेज़ी से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। वित्त मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सरकार ने लोकतंत्र, जनविश्वास और सुशासन को सुदृढ़ किया है। विजन डॉक्यूमेंट के माध्यम से छत्तीसगढ़ विकास के नए मानक गढ़ रहा है। जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव ने सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जनता को बधाई देते हुए कहा कि इस अवधि में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री जे पी नड्डा ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 2 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों के रिपोर्ट-कार्ड और सेवा के 2 साल÷ पुस्तक का विमोचन किया, जिसमें सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम के दौरान जांजगीर-चांपा की विशिष्ट पहचान को रेखांकित करते हुए कोसा और कांसा भेंटकर अतिथियों का पारंपरिक स्वागत-अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम में बीते दो वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन हुआ।

केंद्रीय मंत्री श्री जे पी नड्डा और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विभिन्न विभागों की विकासमूलक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, शिक्षा, महिला-बाल विकास, जल संसाधन, ऊर्जा, सहकारिता सहित कई स्टॉलों पर योजनाओं की जानकारी ली गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने हितग्राहियों से सीधे संवाद कर योजनाओं से जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सुना। कार्यक्रम में पीएम आवास योजनांतर्गत लाभार्थियों को चाबियां सौंपी गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने जनादेश परब को संबोधित करते हुए विगत 02 वर्ष में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य निरंतर विकास होने की बात कही। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, मंत्रीगण श्री दयालदास बघेल, श्री केदार कश्यप, श्री लखन लाल देवांगन, श्री श्याम बिहारी जायसवाल, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, श्री टंकराम वर्मा, श्री गजेन्द्र यादव, श्री गुरु खुशवंत साहेब, श्री राजेश अग्रवाल अन्य सांसद-विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रशासन की संवेदनशील पहल:दिव्यांग को कलेक्टर ने प्रदान की व्हीलचेयर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 23 दिसंबर। समाज कल्याण विभाग के सहयोग से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए कलेक्टर दीपक सोनी ने ग्राम पंचायत बलौदा निवासी दिव्यांग राजकुमार पटेल (49 वर्ष) को व्हीलचेयर प्रदान की। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने कहा कि दिव्यांगजनों को आवश्यक सुविधाएँ एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराना प्रशासन की संवेदनशील जिम्मेदारी है, जिससे वे सम्मानपूर्वक एवं आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। दिव्यांग राजकुमार पटेल ने बताया कि पहले उन्हें चलने-फिरने एवं रोजमर्रा के कार्यों में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब व्हीलचेयर मिलने से न केवल उनका आवागमन सुगम होगा, बल्कि वे अपने दैनिक कार्य अधिक सहजता और आत्मविश्वास के साथ कर सकेंगे। इस सहायता के लिए राजकुमार पटेल ने शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय जिला महोत्सव में जिले के 79 युवा होंगे शामिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाज़ार-भाटापारा 23 दिसंबर। राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा दिनांक 23 से 25 दिसम्बर 2025 तक राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र, बहतराई, बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में हिस्सा लेने जिले से 79 युवाओं का दल आज रवाना हो गया।कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने युवाओं को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने युवाओं को अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लाइट प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह आयोजन आप युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने का बहुत अच्छा मौका है।उल्लेखने है कि जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में आयोजित जिला स्तरीय युवा महोत्सव में 79 विजेता कलाकार / संगतकार लोकनृत्य, राउत नाचा, सुआ नृत्य, करमा नृत्य, लोकगीत, वाद-विवाद, कहानी लेखन, चित्रकला, कविता लेखन, नवाचार, एकांकी नाटक, पारंपरिक वेशभूषा एवं रॉकबैंड कुल 13 विधाओं में राज्य स्तरीय आयोजन में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेल विभाग के अधिकारियों ने आज 79 सदस्यीय दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्रीमती वंदना तिवारी, प्राचार्य गुरुकुल स्कूल बलौदाबाजार एवं नीरज बाजपेयी, नवभारत जिला प्रमुख एवं समस्त नोडल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण बलौदाबाजार-भाटापारा मौजूद थे।

युवाओं के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 29 दिसम्बर को

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,23 दिसम्बर। कार्यालय परिसर बलौदाबाजार में 29 दिसम्बर 2025 को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। प्लेसमेन्ट कैम्प सुबह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आयोजित होगा। जिला रोजगार से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लेसमेन्ट कैम्प में नियोजक श्रीराम लाईफ इन्सुरेंस बलौदाबाजार द्वारा मैनेजर के 5 पद, कम्प्युटर ऑपरेटर 1पद, अभिकर्ता 20 पद शैक्षणिक योग्यता दसवी से स्नातकोत्तर उत्तीर्ण, उम्र 18 से 40 वर्ष, वेतन 12 हजार से 25 हजार रूपये देय होगा, कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा।दुर्गेश इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी रायपुर द्वारा सिक्योरिटी सुपरवाइजर के 10 पद, सिक्योरिटी गार्ड 30 पद, शैक्षणिक योग्यता दसवी, बारहवी, उच्च उत्तीर्ण एवं अनुभव 0-3 वर्ष, उम्र 20 से 45 वर्ष, वेतन 15 हजार से 18 हजार रूपये एवं कार्यक्षेत्र रायपुर होगा। टेक्नोटास्क प्राइवेट लिमिटेड रायपुर द्वारा कस्टमर सर्विस एसोसिएट के 50 पद शैक्षणिक योग्यता बारहवीं उत्तीर्ण, उम्र 18 से 30वर्ष, वेतन 10 हजार रूपये देय होगा, कार्यक्षेत्र रयपुर होगा। इच्छुक आवेदक अनिवार्य रूप से समस्त प्रमाण,पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो सहित उपस्थित हो सकते है। इस संबंध मे अधिक जानकारी हेतु जिला रोजगार कार्यालय से या दूरभाष न. 07727-299443 में सम्पर्क कर सकते है।

24 महिलाओं को 36 दुधारू पशु वितरित, दुग्ध उत्पादकों को मिला अनुदान और बैंक ऋण

बस्तर संभाग में महिलाएं डेयरी व्यवसाय से बन रही हैं आत्मनिर्भर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 23 दिसंबर। रोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से लोगों की आमदनी बढ़ाने के लिए बस्तर संभाग में डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा रहा है। एनडीडीबी के माध्यम से कांकेर और कोण्डागांव जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत संचालित की जा रही। इस योजना में जनजातीय महिलाओं को डेयरी व्यवसाय से जोड़ा जा रहा है। गौरतलब है कि इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 01 जून 2025 को कोण्डागांव जिले के भोंगापाल गांव से इस योजना शुभारंभ किया था।

बस्तर संभाग के कोण्डागांव एवं कांकेर जिले के 125 हितग्राहियों को ऋण एवं अनुदान पर दुधारू पशु प्रदाय के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 47 महिलाओं के आवेदन पत्र बैंक से ऋण स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें से 24 महिलाओं को 36 दुधारू पशु वितरित किया गया है। हितग्राहियों को अच्छे नस्ल की दुधारू गाय प्रदान करने हेतु एनडीडीबी डेयरी सर्विसेस द्वारा साहीवाल नस्ल की गाय (8-10 लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादन क्षमता) राजस्थान एवं पंजाब क्षेत्र से चिन्हित कर अनुसूचित जनजाति महिलाओं को वितरण किया जा रहा है।

दुग्ध महासंघ द्वारा वर्तमान में बस्तर संभाग अंतर्गत 95 कार्यशील दुग्ध समितियों के 4006 दुग्ध प्रदायकों के माध्यम से 15060 लीटर दूध प्रतिदिन संकलित किया जाकर, लगभग 8000 लीटर दूध प्रतिदिन कांकेर, कोण्डागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर जिलों में विपणन किया जा रहा है। बस्तर संभाग में सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए आगामी 5 वर्षो में 400 नयें ग्रामों को दुग्ध समिति के माध्यम से जोड़ा जायेगा। जिसमें लगभग 9000 दूध प्रदायक जुड़ेगें एवं 48 हजार लीटर दूध संकलन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 28 हजार लीटर क्षमता के दुग्ध शीतलीकरण केन्द्रों एवं एक 1 लाख लीटर क्षमता का नवीन दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना बस्तर जिले में किया जायेगा।

यह योजना राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन.डी.डी.बी.) की सहायक कंपनी एन.डी.डी.बी. डेयरी सर्विसेस की मदद से कार्यान्वित की जा रही है। इस योजना के तहत राज्य सरकार 2 दुधारू पशुओं की लागत राशि रूपये 1.40 लाख पर 50 प्रतिशत अनुदान 70 हजार प्रदान किया जा रहा है, शेष 40 प्रतिशत बैंक ऋण एवं 10 प्रतिशत राशि हितग्राही को वहन करना होता है। अनुसूचित जनजाति महिला किसानों को आसानी से ऋण उपलब्ध कराने के लिए, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक (ष्टत्रक्चक्च) के साथ एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया है, जो रियायती ब्याज दर पर 4 साल की अवधि के लिए ऋण प्रदान करता है। दुग्ध महासंघ द्वारा ऋण की किश्त हितग्राही किसानों के दूध बिल से कटौती कर बैंक में जमा किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, योजना अंतर्गत हितग्राहियों को एक वर्ष की अवधि के लिए निःशुल्क सहायता प्रदान किया जा रहा है, जिसमें- गाय की बीमा (एक साल के लिए), पशु स्वास्थ्य निगरानी उपकरण, 5 किलोग्राम साइलेज चारा, 2 किलोग्राम पशु आहार, एवं 50 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु प्रतिदिन प्रदान किया जा रहा है। पशु प्रेरण से पहले एवं बाद में वैज्ञानिक पशु प्रबंधन प्रणाली पर किसानों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशु प्रजनन एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

डेयरी इकाई स्थापना पश्चात् अनुसूचित जनजाति महिला हितग्राहियों से घरेलू उपयोग पश्चात अतिशेष दूध का क्रय दुग्ध महासंघ द्वारा निर्धारित मूल्य पर किया जाता है। दुग्ध संकलन को सरल करने के लिए दुग्ध महासंघ द्वारा नये दुग्ध समिति की स्थापना एवं दुग्ध संकलन मार्ग का गठन किया गया है। एक अनुसूचित जनजाति महिला हितग्राही द्वारा लगभग 12 लीटर दूध प्रतिदिन दुग्ध समिति में दिया जा रहा है, जिससे महिला हितग्राही को 1 माह में लगभग राशि रू. 13,000 प्राप्त होता है। जो कि अनुसूचित जनजाति महिला किसानों को उनकी आजीविका बढ़ाने, पोषण में सुधार करने एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों के बीच आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

गुणवत्ताहीन कार्य पर उप अभियंता तत्काल प्रभाव से निलंबित

रायपुर, 23 दिसंबर। लोक निर्माण विभाग ने गुणवत्ताहीन कार्य पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उप अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 के अंबिकापुर शहरी भाग में कराये गये गुणवत्ताविहीन बी.टी. पैच रिपेयर कार्य के लिए प्रथम दृष्ट्या दोषी पाये जाने पर राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग अंबिकापुर के कार्यपालन अभियंता कार्यालय में पदस्थ उप अभियंता श्री नवीन सिन्हा को विभाग द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 के अंबिकापुर शहरी भाग में कराये गये बी.टी. पैच रिपेयर के गुणवत्ताहीन कार्य पर संज्ञान लेते हुए लोक निर्माण विभाग के राष्ट्रीय राजमार्ग मंडल, बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता द्वारा प्रतिवेदन एवं तस्वीरें राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर के मुख्य अभियंता को प्रेषित की गयी थी। मुख्य अभियंता द्वारा गुणवत्ताहीन कार्य के लिए जिम्मेदार उप अभियंता के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव प्रमुख अभियंता कार्यालय को प्रेषित किया गया था। लोक निर्माण विभाग ने गुणवत्ताहीन कार्य पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उप अभियंता श्री नवीन सिन्हा के तत्काल प्रभाव से निलंबन का आदेश आज जारी कर दिया है। निलंबन की अवधि में उनका मुख्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग मंडल, बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता कार्यालय निर्धारित किया गया है।

ग्राफ्टेड बैगन की खेती से बढ़ी किसान योगेश अग्रवाल की आय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाज़ार-भाटापारा 23 दिसंबर। राज्य शासन की किसान हितैषी नीतियां अब ज़मीनी स्तर ओर अपने शानदार परिणाम दिखा रहीं हैं।ज़िले के भाटापारा ब्लॉक के गाँव सेमरिया (बी) के प्रगतिशील किसान श्री योगेश अग्रवाल ग्राफ्टेड बैगन की खेती करके अपनी आमदनी में बढ़ोतरी करने में सफल हुए हैं।श्री अग्रवाल ने बताया कि पहले वे परम्परा गत तरीके से सब्जी की खेती करते थे ।फिर उन्हें उद्यानिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत ग्राफ्टेड बैगन एवं टमाटर प्रदर्शन योजना का लाभ मिला।उन्होंने बताया कि ग्राफ्टेड बैगन रोगों का प्रकोप सामान्य खेती की तुलना में कम है। साथ-साथ इसमें तीनों सीजन में उत्पादन प्राप्त होता है। कम पानी एवं मजदूरी लागत भी कम आती है। पौधे भी मजबूत होते हैं जिससे उत्पादन में सुधार हुआ है।श्री अग्रवाल ने बताया इस तकनीक से किसानों को आर्थिक लाभ मिल रहा है।उल्लेखनीय है कि

उद्यान विभाग द्वारा जिले में किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत ग्राफ्टेड बैगन एवं टमाटर प्रदर्शन योजना का संचालन किया जा रहा है, यह योजना जिले में पहली बार लागू की गयी है, योजना के तहत ग्राफ्टेड बैगन एवं टमाटर की खेती कृषकों द्वारा की जा रही है जिसके लिए प्रति प्रदर्शन राशि रू. 30000 का अनुदान दिया जा रहा है। जिले को 188 नग प्रदर्शन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके विरूद्ध नियमानुसार 188 कृषकों का चयन किया गया एवं कृषकों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है।

केयूर भूषण उद्यान में बिना अनुमति के बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण किया जा रहा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर 23 दिसंबर। पंडित सुन्दर लाल शर्मा वार्ड क्रमांक 41 के सुन्दर नगर कॉलोनी के केयूर भूषण उद्यान (आम बगीचा) मे बिना स्वीकृति के हरी भरी घास के लॉन मे 20 फिट चौड़ी 100 फिट लम्बी बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण किया जा रहा था, जिसका लगातार 14 दिसम्बर से वरिष्ठ नागरिक और महिलाएं विरोध कर रहें थे की बगीचे मे बैडमिंटन कोर्ट नहीं बनना चाहिए, हरे भरे घास के लॉन कों बैडमिंटन कोर्ट के नाम पर बर्बाद नहीं करना चाहिए यह शिकायत लेकर वे वार्ड के पूर्व पार्षद मृत्युंजय दुबे के पास आये। पूर्व पार्षद मृत्युंजय दुबे ने नगर निगम जोन 5 के आयुक्त खीर सागर कों शिकायत की सुन्दर नगर आम बगीचा मे घास के लॉन कों हटा कर किसकी अनुमति से बैडमिटन कोर्ट का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ है, बगीचे मे बैडमिंटन कोर्ट निर्माण के स्टीमेट की स्वीकृति किस अधिकारी ने दिया है ? क्या स्टीमेट स्वीकृत हुआ है और बैडमिंटन कोर्ट निर्माण के लिए विधिवत निविदा बुलाई गयी थी ? और किन जनप्रतिनिधि ने उक्त निर्माण के लिए भूमिपूजन किया है ? उक्त जानकारी मागने पर जोन 5 आयुक ने पूर्व पार्षद मृत्युंजय दुबे कों बताया की किसी प्रकार के स्टीमेट टेंडर स्वीकृति की जानकारी नहीं है और बैडमिंटन कोर्ट निर्माण की भी जानकारी उन्हें नहीं है, वे संबंधित इंजिनियर कों सुन्दर नगर आम बगीचे मे जाँच के लिए भेज रहें है। उक्त निर्माण कार्य कों रोकवाया जायेगा पुनः बगीचे कों उसके मूल स्वरूप मे लाया जायेगा । पूर्व पार्षद मृत्युंजय दुबे ने जोन 5 आयुक्त कों चेतावनी दी है कि वे स्वयं सुन्दर नगर के दोनों बगीचों आम बगीचा और शिव बगीचे के रख रखाव का उचित ध्यान रखे अन्यथा बगीचे मे हो रहें अवैध निर्माण के संबंध मे महापौर श्रीमती मीनल चौबे से नागरिकों का प्रतिनिधि मंडल मिल कर लिखित मे शिकायत कर दोषी अधिकारियो पर कार्यवाही कि माँग करेगा।

संपर्क केन्द्र की सूचना पर प्रशासन की टीम ने 26 कट्टा अवैध धान किया जब्त

बलौदाबाजरार 23 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। संपर्क केंद्र में प्राप्त अवैध धान खरीदी की शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। दुकान में रखे 26 कट्टा अवैध धान को जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मेढ़ में धनेश कुमार चेलक की दुकान से 26 कट्टा अवैध रूप से खरीदा गया धान संयुक्त टीम द्वारा जब्त किया गया। जप्त की गई धान को नियमानुसार ग्राम कोटवार के सुपुर्द किया गया। कार्रवाई के दौरान एसडीएम, नायब तहसीलदार, मंडी समिति की टीम एवं अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध धान खरीदी, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है। शासन के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

यह तो आजादी के बाद से चली आ रही परंपरा है

देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र में चुनाव सबसे ज्यादा अहम होते हैं। यानी लोकतंत्र है तो समय पर चुनाव होने चाहिए। इसलिए देश व राज्यों में हर पांच साल में चुनाव होते हैं।चुनाव राजनीतिक दल लड़ते हैं और कई दलों में जनता किसी एक दल को सत्ता सौंपती है यानी जनहित व राज्य हित व देश हित के काम करने के लिए जनता एक राजनीतिक दल को चुनती है। राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ने के लिए पैसों की जरूरत होती है। इसके अलावा राज्य व देश में राजनीतिक दल को चलाने के लिए पैसों की जरूरत होती है। इसके लिए आजादी के बाद से व्यवस्था यही है कि राजनीतिक दलों को दान दिया जाए। दान बड़े बड़े औद्योगिक घराने देते है। इसके अलावा पार्टी सदस्यता सहित कई तरह से पार्टी का फंड जुटाया जाता है। सब जानते हैं कि इसके लिए जायज से लेकर नाजायज तरीके काम में लाए जाते हैं। भाजपा ने चंदे की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए इलेक्टोरल बांड की व्यवस्था की थी। पुरानी व्यवस्था से यह व्यवस्था ठीक मानी गई लेकिन इसके लिए बनाई गई योजना को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की तो उसके बाद से पुरानी व्यवस्था से ही राजनीतिक दलों को चंदा मिल रहा है या दान मिल रहा है। राजनीतिक दलों के मिले दान व चंदा के आंकड़े सामने आए तो इस बात की खूब चर्चा हो रही है कि ट्रस्टों की ओर से राजनीतिक दलों को दान की गई कुल धनराशि का ३११२ करोड़ यानी ८२ प्रतिशत से अधिक धन भाजपा को मिला है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष २४-२५ में ९ चुनावी ट्रस्टों ने राजनीतिक दलों को ३८११ करोड़ रुपए दान किया है।इसका ८२ प्रतिशत भाजपा को मिला है,२९९ करोड़ रुपए यानी आठ प्रतिशत कांग्रेस को मिला है और बाकी राजनीतिक दलों को ४०० करोड़ यानी १० प्रतिशत मिला है। राष्ट्रीय दलों में प्रमुख भाजपा व कांग्रेस हैं। जो भी राष्ट्रीय दल होते हैं, उनको क्षेत्रीय दलों की तुलना में औद्योगिक घरानों से ज्यादा दान मिलता है। प्रमुख राष्ट्रीय दलों में जो केंद्र में सत्ता में होता है और राज्यों में सत्ता में होता है, उनको राजनीतिक घरानों से स्वाभाविक रूप से दान ज्यादा मिलता है। यह परंपरा तो कांग्रेस के समय से चली आ रही है। जब कांग्रेस केंद्र व ज्यादातर राज्यों मे सत्ता में रहती थी तो उसको सबसे ज्यादा दान औद्योगिक घरानों से मिला करता था। तब भाजपा को कांग्रेस से कम दान मिला करता था क्योंकि वह न केंद्र में न ही राज्य में सत्ता में थी।तब भाजपा इस बात की शिकायत नहीं करती थी कि कांग्रेस को ज्यादा चंदा मिलता है, हमको कम मिलता है। ऐसे में तो हम चुनाव कैसे जीत सकते हैं।भाजपा ने अपने आपको को कांग्रेस के विकल्प के रूप में पेश किया, मोदी के नेतृत्व में केंद्र व राज्यों में चुनाव जीते उसके बाद औद्योगिक घरानों ने उसे चंदा देना शुरू किया। और आज सबसे ज्यादा दान उसे मिल रहा है तो इसलिए मिल रहा है कि वह सत्ता में है। वह चुनाव जीतती है। रामलीला मैदान में वोटचोरी के मुद्दे पर हुई रैली में राहुल गांधी,कांग्रेस अध्यक्ष खरगे इस बात की शिकायत करते रहे कि चुनाव में सबके लिए बराबरी का मौका नहीं होता है तो यह स्थिति कोई मोदी सरकार के आने के बाद नहीं बनी है। जो भी सत्ता में रहता है, उसके बाद संसाधन ज्यादा होते हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उसके पास सबसे ज्यादा पैसा व संसाधन होते थे और वह चुनाव जीतती थी। पैसा होने से राजनीतिक दल हर तरह से मजबूत होता है, पैसा न होने पर राजनीतिक दल हर तरह से मजबूत नहीं होता है। यह भारतीय राजनीति की कड़वी सच्चाई है। राजनीतिक दलों के लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना चुनाव जीतने के लिए जरूरी होता है, इसलिए हर राजनीतिक चुनाव पांच साल में जरूर जीतना चाहता है। चुनाव जीतने पर ही राजनीतिक दल आर्थिक रूप से मजबूत होता है। जो दल चुनाव नही जीता पाता है, वह हर तरह से कमजोर होता जाता है। चुनाव जिताने की जिम्मेदारी राजनीतिक नेतृत्व की होती है। यदि वह एक चुनाव नहीं जिता पाता है तो उसके लिए दूसरा चुनाव जीतना बहुत जरूरी होता है क्योंकि चुनावी हार का राजनीतिक दल पर कई तरह से बुरा प्रभाव पड़ता है। यदि राजनीतिक नेतृत्व दूसरी बार भी चुनाव नहीं जीता पाता है तो नेता पार्टी छोड़कर जाने लगते हैं, दान देने वाले दान देना कम करने लगते हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में तो कांग्रेस तीन चुनाव हार गई है और कई राज्यों में चुनाव कांग्रेस हारती जा रही है। ऐसे में दान कम मिलने से स्वाभाविक है कि कांग्रेस आर्थिक रूप से कमजोर हो रही है तो इसके लिए मोदी सरकार दोषी नहीं है। इसके लिए राहुल गांधी दोषी है जो चुनाव जीत नहीं पा रहे हैं। चुनाव क्यों हार रहे हैं, इस और वह ध्यान नहीं देते है ऐसे में वह चुनाव कैसे जीत सकते हैं। चुनाव जीतने के लिए जरूरी है कि नेता को पता तो रहना चाहिए कि वह क्यों चुनाव हार रहे हैं, जनता उस पर भरोसा क्यों नहीं कर रही है।

दृष्टिकोण

जी राम जी: ग्रामीण भारत में विश्वास और उम्मीद

डॉ. प्रियंका सौरभ

'जी राम जी' योजना ने ग्रामीण भारत में भरोसा और विकास की नई मिसाल कायम की है। यह 125 करोड़ लाभार्थियों तक पहुँचती है, ग्रामीण रोजगार, स्थानीय उत्पादन, महिला सशक्तिकरण और खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करती है। भरोसा केवल घोषणाओं से नहीं, परिणाम और सतत क्रियान्वयन से बनता है। आलोचना यह भी है कि दीर्घकालिक आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्थायित्व पर ध्यान जरूरी है। स्थानीय उद्योग, कौशल विकास और पारदर्शिता से यह योजना न केवल राहत, बल्कि सामाजिक न्याय और लोकतंत्र में विश्वास का प्रतीक बन सकती है।

भारत की राजनीति में विश्वास केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जन-धारणाओं और नीतिगत परिणामों का प्रतिफल है। 'विकसित भारत–जी राम जी' बिल और उससे जुड़ी योजनाएँ इस विश्वास की कसौटी पर खड़ी हैं। जब केंद्र सरकार ने यह बिल संसद में प्रस्तुत किया, तो उसके पीछे सतत विकास, सामाजिक न्याय और ग्रामीण कल्याण के विचार थे। यह बिल केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि 125 करोड़ लोगों तक पहुँचने वाली योजनाओं का प्रतीक है।

वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है—विकास को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा जाए। इसके लिए योजना का कायमी प्रभाव और पारदर्शी क्रियान्वयन आवश्यक है। इसके तहत ग्रामीण रोजगार, खाद्यान्न वितरण, महिला सशक्तिकरण और न्यूनतम आय सुरक्षा जैसी नीतियाँ लागू की गई हैं। इन नीतियों के परिणामस्वरूप ग्रामीण और वंचित वर्ग में भरोसा और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था हमेशा असुरक्षित रही है। कृषि पर आधारित जीवन शैली, सीमित औद्योगिक विकास और मौसमी रोजगार की अस्थिरता ने ग्रामीणों को अस्थायी रोजगार और पलायन की ओर मजबूर किया। इस संदर्भ में, केंद्र सरकार की ग्रामीण रोजगार योजना एक जागरूक प्रयास है।

यह योजना न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय निर्माण और उत्पादन गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है। महिलाओं की भागीदारी, युवा शक्ति का नियोजन और स्थानीय संसाधनों का उपयोग, योजना को स्थायी और प्रभावी बनाता है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि ग्रामीण आर्थिक सुरक्षा महसूस करें और पलायन कम हो।

महिलाओं का भाग्य सुधारना केवल सामाजिक न्याय का सवाल नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामुदायिक स्थिरता का भी संकेत है। 'जी राम जी' योजना के तहत महिलाओं को रोज़गार और प्रशिक्षण के अवसर दिए गए हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव देखा जा सकता है—महिलाओं ने अपने परिवार की आय में योगदान बढ़ाया, स्थानीय उत्पादकता में हिस्सेदारी ली, और अपने समाज में निर्णय लेने की क्षमता विकसित की।

महिला सशक्तिकरण का यह आयाम योजना की दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जब महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है, तो परिवार के स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के मानक भी सुधरते हैं। इस तरह, योजना केवल आर्थिक सुधार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नींव भी तैयार करती है।

भारत में खाद्य सुरक्षा हमेशा सामाजिक राजनीति का केंद्र रही है। गरीब और वंचित वर्ग को आवश्यक खाद्यान्न और न्यूनतम आय सुरक्षा प्रदान करना केवल दान या राहत नहीं, बल्कि न्याय और संवैधानिक जिम्मेदारी है। जी राम जी बिल ने इस दिशा में कदम बढ़ाए।

125 करोड़ लाभार्थियों तक पहुँचने वाली योजना का प्रत्यक्ष परिणाम यह है कि भोजन और आय का भरोसा पैदा हुआ है। गरीब वर्ग अब केवल दिन-प्रतिदिन के संघर्ष में नहीं फँसा है, बल्कि भविष्य की योजनाओं में भागीदारी और उम्मीद महसूस करता है। यह भरोसा सरकार और जनता के बीच संबंध की मजबूती का परिचायक है।

सभी नीतियों में आलोचना होना स्वाभाविक है। विपक्ष ने सवाल उठाया है कि—क्या यह योजना दीर्घकालिक आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए पर्याप्त है? क्या यह केवल अस्थायी राहत है? क्या इसके क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित है? इन सवालों का महत्व है। विकास केवल तुरंत परिणामों से मापा नहीं जा सकता। इसे स्थायित्व, निगरानी और समयबद्ध सुधार के साथ देखा जाना चाहिए। आलोचना यह भी याद दिलाती है कि राजनीतिक विश्वास स्थायी तभी बनता है जब योजना के परिणाम लगातार दिखाई दें और जनता के अनुभव से मेल खाते हों।

राजनीतिक विश्वास केवल चुनावी रैलियों या भाषणों से नहीं बनता। यह तब मजबूत होता है जब जनता नतीजे देखे, अनुभव करे और महसूस करे। 'जी राम जी' योजना इस दृष्टि से अनूठी है—यह दिखाती है कि यदि सरकार व्यवस्था, नीति और क्रियान्वयन को संतुलित रखे, तो जनता का भरोसा बढ़ सकता है।

साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि सरकार सतत निगरानी और सुधार करती रहे। योजना की प्रभावशीलता तभी बनी रहती है जब स्थानीय प्रशासन, पंचायत और लाभार्थियों के बीच संवाद और जवाबदेही हो। यह लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी ताकत है।

भरोसे और नीतियों की कसौटी पर 'जी राम जी' बिल ने एक नई मिसाल कायम की है। भविष्य में इसके और भी सफल होने के लिए कुछ कदम आवश्यक हैं। स्थायित्व और विस्तारः योजना को केवल वर्तमान लाभार्थियों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि नई तकनीक और कौशल विकास के साथ इसे बढ़ाया जाए। पारदर्शिताः सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों तक जानकारी, निगरानी और रिपोर्टिंग पारदर्शी हो। स्थानीय उद्योग और उत्पादनः रोजगार केवल सरकारी कार्यों तक सीमित न हो, बल्कि स्थानीय उद्योग और स्वरोज़गार को प्रोत्साहित किया जाए। महिला और युवा सशक्तिकरणः महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए ताकि समुदाय आधारित विकास सुनिश्चित हो।

अर्थव्यवस्था और विकास का संतुलनः योजनाओं से केवल रोजगार या राहत न हो, बल्कि स्थायी आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले। 'जी राम जी' बिल और उससे जुड़ी योजनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि भरोसा और परिणाम राजनीति में दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। केवल घोषणाओं या भाषणों से जनता का विश्वास नहीं बनता। इसे क्रियान्वयन, पारदर्शिता और परिणाम के साथ जोड़ना आवश्यक है।इस पहल ने दिखाया कि यदि सरकार योजनाओं को समयबद्ध, प्रभावी और सतत तरीके से लागू करे, तो विश्वास केवल टिकता ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र और समाज की मजबूती का प्रतीक बन जाता है।

संक्षेप में, भरोसा केवल राजनीति का जरिया नहीं, बल्कि विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक स्थायी स्तंभ बन सकता है। 'जी राम जी' बिल इस कसौटी पर खड़ा होता दिख रहा है, और यदि इसे सुधार और सतत निगरानी के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारत के ग्रामीण विकास और लोकतांत्रिक विश्वास का आदर्श मॉडल बन सकता है।

सू- दोकू क्र. 267

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.266 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -267

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 266 का हल

मा	म	ला		सि	वा	य		कि
लि		चा	ह	त		म	म	ता
क	सू	र		म	ग	न		ब
	र				द			
क	मा	न		पा	र	स		स
मी		म	जा	ल		न	क	ली
ना	दा	न		ना	र	द		का
	मि				तौं			
सु	नी	ल		अ	धी	र		जी

राशिफल

मेष : - हर किसी की मदद करने की आपकी इच्छा आपको थका देगी. आज किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आप अपने बिज़नेस में अच्छा कर सकते हैं, जिससे आपको पैसे का भी फ़ायदा होगा. पोस्ट से कोई चिट्ठी पूरे परिवार के लिए खुशखबरी ला सकती है. अचानक रोमांटिक झुकाव. शॉर्ट-टर्म प्रोग्राम में एनरोल करें जो आपको लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और स्किल सीखने में मदद करेंगे. आज आप पूरा दिन अकेले एक कमरे में बैठकर किताब पढ़ सकते हैं.

वृष : - कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. हिम्मत न हारें बल्कि मनचाहे नतीजे पाने के लिए और मेहनत करें. इन मुश्किलों को ही आगे बढ़ने का रास्ता बनाएं. मुश्किल समय में रिश्तेदार भी मदद करेंगे. अगर आप सोच-समझकर काम करेंगे तो आज कुछ एक्स्ट्रा कैश कमा सकते हैं. बच्चे कुछ निराश कर सकते हैं क्योंकि वे अपने करियर की प्लानिंग करने के बजाय बाहर घूमने-फिरने में ज़्यादा समय बिताते हैं. आज रोमांटिक माहौल बनने की संभावना है।

मिथुन : - हर किसी की मदद करने की आपकी इच्छा आपको थका देगी. आज किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आप अपने बिज़नेस में अच्छा कर सकते हैं, जिससे आपको पैसे का भी फ़ायदा होगा. पोस्ट से कोई चिट्ठी पूरे परिवार के लिए खुशखबरी ला सकती है. अचानक रोमांटिक झुकाव. शॉर्ट-टर्म प्रोग्राम में एनरोल करें जो आपको लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और स्किल सीखने में मदद करेंगे.

कर्क : - दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ध्यान रखें क्योंकि ज़्यादा खाने से आपकी अगली सुबह खराब हो सकती है. अचानक पैसे आने से आपके बिल और तुरंत के खर्चे पूरे हो जाएंगे. खुशमिजाज-एनर्जेटिक-प्यार भरे मूड में आपका खुशमिजाज स्वभाव आपके आस-पास के लोगों को खुशी और आनंद देगा. रोमांस के मौके दिख रहे हैं- लेकिन ये ज़्यादा समय तक नहीं रहेंगे. आज काम की जगह पर हर चीज़ में आपका पलड़ा भारी रह सकता है. ज़रूरी कामों को समय न देना और बेकार की चीज़ों पर अपना समय बर्बाद करना आज आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है.

सिंह : - यह एक खिलखिलाती हंसी से भरा दिन होगा, जब ज़्यादातर चीज़ें वैसी ही होंगी जैसी आप चाहते हैं. सभी कमिटमेंट और पैसे के लेन-देन को ध्यान से करने की ज़रूरत है. ज्ञान की आपकी प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मदद करेगी. जो लोग अभी तक सिंगल हैं, आज उनकी मुलाक़ात किसी खास से हो सकती है. लेकिन आगे बढ़ने से पहले, उस व्यक्ति के रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में साफ़-साफ़ जान लें.

कन्या : - स्ट्रेस को नज़रअंदाज़ न करें. यह तेज़ी से तंबाकू और शराब की तरह ही एक गंभीर महामारी बनता जा रहा है. घर में हो रहे किसी फंक्शन की वजह से आज आपको बहुत सारा पैसा खर्च करना पड़ेगा. इससे आपकी फाइनेंशियल हालत पर बुरा असर पड़ सकता है. अपने जीवनसाथी के साथ अपनी सीक्रेट जानकारी शेयर करने से पहले सोचें. हो सके तो इससे बचने की कोशिश करें क्योंकि वह इसे किसी और को बता सकती है. कोई भी आपके प्यार को अलग नहीं कर सकता।

तुला : - बोलने से पहले दो बार सोचें. अनजाने में आपकी बातें किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती हैं. आज आपको ऐसे दोस्तों से दूर रहने की ज़रूरत है जो आपसे पैसे उधार मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं. एक अच्छी और शानदार शाम के लिए आपके घर में मेहमानों का तांता लगा रहेगा. कामदेव के तीर से बचने की बहुत कम संभावना है. किसी दोस्त का कीमती सपोर्ट आपको प्रोफेशनल मामलों में मदद करेगा. आपकी पर्सनैलिटी के हिसाब से, आप ज़्यादा लोगों से मिलकर परेशान हो जाते हैं

वृश्चिक : - किसी दोस्त से मिली खास तारीफ़ खुशी का ज़रिया बन सकती है. ऐसा इसलिए है क्योंकि आपने अपनी ज़िंदगी पेड़ों की तरह बना ली है – जो दूसरों को छाँव देते हैं जबकि खुद धूप में खड़े होकर चिलचिलाती गर्मी सहते हैं. आज आपके माता-पिता में से कोई आपको पैसे बचाने की अहमियत पर लेक्चर दे सकता है. आपको उनकी बात बहुत ध्यान से सुनने की ज़रूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको दिक्कत हो सकती है. आज आपको जो खाली समय मिले, उसका फ़ायदा उठाएँ और परिवार के सदस्यों के साथ प्यार भरे पल बिताएँ।

धनु : - पिता आपको प्रॉपर्टी से बेदखल कर सकते हैं. लेकिन हिम्मत मत हारिए. याद रखिए, खुशहाली मन को लाड़-प्यार करती है, कमी उसे और मजबूत बनाती है. जान-पहचान वालों से इनकम के नए सोर्स मिलेंगे. दोस्त शाम के लिए कुछ मज़ेदार प्लान बनाकर आपका दिन खुशनुमा बना देंगे. एकतरफ़ा प्यार आज बहुत बुरा साबित होगा. आज आप स्पॉटलाइट में रहेंगे- और सफलता आपकी पहुँच में है. अगर आपको किसी बहस में धकेला जाए तो सावधान रहें कि कोई तीखा कमेंट न करें.

मकर :- दोस्त आपको किसी खास इंसान से मिलवाएंगे, जिसका आपके विचारों पर बहुत अच्छा असर होगा. जो लोग अब तक बेवजह पैसा खर्च कर रहे थे, उन्हें अब समझ आएगा कि पैसे कमाना और बचाना कितना मुश्किल है, क्योंकि पैसों की तंगी के बीच अचानक ज़रूरत पड़ सकती है. हो सकता है परिवार वाले आपकी उम्मीदें पूरी न करें. उनसे अपनी मर्ज़ी के हिसाब से काम करने की उम्मीद न करें, बल्कि पहल करने के लिए अपना स्टाइल बदलने की कोशिश करें. आपको पहली नज़र में प्यार हो सकता है. बिज़नेस करने वालों के लिए दिन अच्छा है क्योंकि उन्हें अचानक कोई अनचाहा मुनाफ़ा या फ़ायदा हो सकता है. अगर आप आज यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान का ज़्यादा ध्यान रखना होगा. आज आपके पार्टनर का रोमांटिक साइड सबसे ज़्यादा दिखेगा.

कुंभ राशि : - अपनी टेंशन कम करने के लिए परिवार वालों की मदद लें. उनकी मदद को प्यार से स्वीकार करें. आपको अपनी भावनाओं और दबाव को अंदर दबाकर नहीं रखना चाहिए. अपनी परेशानियां बार-बार शेयर करने से आपको मदद मिलेगी. आज आपको शराब या ऐसी कोई भी चीज़ पीने से बचना चाहिए, क्योंकि आप अपनी चीज़ें खो सकते हैं. कोई भी गलत काम करने से बचें.

मीन राशि : - आपका उदार रवैया आपके लिए एक छिपा हुआ आशीर्वाद होगा क्योंकि आप शक, बेवफ़ाई, डिप्रेशन, भरोसे की कमी, लालच, लगाव, अहंकार और जलन जैसी कई बुराइयों से आज़ाद हो सकते हैं. इन्वेस्टमेंट करने की सलाह दी जाती है लेकिन सही सलाह लें. आज आप जिस सोशल गेट-टुगेदर में जाएँगे, वहाँ आप लाइमलाइट में रहेंगे. कुछ लोगों के लिए नया रोमांस आपका हौसला बढ़ाएगा और आपको खुशमिजाज रखेगा.

(राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस विशेष - 24 दिसंबर 2025)

केवल जागरूक और सतर्क उपभोक्ता ही सुरक्षित

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आज के डिजिटल युग में आर्थिक व्यवहार या खरीदारी तो आसान हो गयी, लेकिन उसी मात्रा में धोखाधड़ी, बनावट उत्पाद, मिलावटखोरी और साइबर अपराध भी हद से ज्यादा बढ़ गए। दूसरों पर अंधा भरोसा, दिखावा, भ्रामक विज्ञापन, झूठे वादे पर विश्वास न करके अपने विवेकबुद्धि का इस्तेमाल करें, निति-नियम, कानून का पालन करें, तभी हम जागरूक उपभोक्ता बन पायेंगे। उपभोक्ता पैसे के बदले में किसी वस्तु या सेवा का लाभ प्राप्त करता है, तो उसे कीमत तुल्य सही उत्पाद मिलना चाहिए। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत उत्पाद के बारे में महत्वपूर्ण अधिकार मुख्य रूप से सुरक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, चयन का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, शिकायतों के निपटारे का अधिकार और ग्राहक जागरूकता का अधिकार यह छह हैं। इसको विस्तार से जानते है, इसमें जान और संपत्ति के लिए खतरनाक उत्पाद और सेवाओं की मार्केटिंग से सुरक्षा। गलत व्यापार के तरीकों से बचाने के लिए सामान, उत्पाद या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, मानक, कीमत के बारे में सूचना पाने का अधिकार। प्रतियोगितात्मक कीमतों पर अलग-अलग तरह के सामान, उत्पाद और सेवाओं तक पहुंच का अधिकार। सही फोरम में उपभोक्ता के हितों पर योग्यतानुसार विचार किए जाने का अधिकार। गलत व्यापार के तरीकों या ग्राहकों के शोषण के खिलाफ शिकायत करने का अधिकार। एक जानकार उपभोक्ता बनने के लिए जरूरी ज्ञान और कौशल हासिल करने का अधिकार।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 इसके साथ कई खास नियम और कानून भी हैं, जैसे उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 और केंद्रीय व राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों को नियंत्रित करने वाले अधिनियम। ये अलग-अलग अधिनियम मिलकर उपभोक्ता को गलत तरीकों, उत्पाद और सेवा में खराबी से सुरक्षा का काम करती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण एक कानूनी संस्था है, जिसे एक्ट के तहत उपभोक्ता अधिकारों को एक क्लास के तौर पर बढ़ावा देने, उनकी सुरक्षा करने और उन्हें लागू करने के लिए बनाया गया हैं। उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग विवाद सुलझाने के लिए तीन स्तरीय संरचना प्रदान करता है, जिला स्तरीय - 50 लाख रुपये तक, राज्य - 50 लाख से 2 करोड़ रुपये तक और राष्ट्रीय आयोग - 2 करोड़ रुपये से अधिक का विवाद।

उत्पाद दायित्व अधिनियम यह उत्पाद की अवधारणा लाता है, जो निर्माता, सेवा प्रदाता और विक्रेता को उनके खराब उत्पाद या खराब सेवा से होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदार बनाता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष विक्रय) अधिनियम, 2021 ये अधिनियम धोखाधड़ी योजनाओं को रोकने के लिए प्रत्यक्ष विक्रय उद्योग को नियंत्रित करते हैं। उपभोक्ता संरक्षण (मध्यस्थता) विनियम, 2020 उपभोक्ता मध्यस्थता सेल बनाता है और मध्यस्थता के लिए प्रक्रिया बताता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (उपभोक्ता आयोग प्रक्रिया) विनियम, 2020 उपभोक्ता आयोग के लिए प्रक्रिया का विवरण देता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (सामान्य) अधिनियम, 2020 उपभोक्ता संरक्षण के लिए सामान्य प्रावधान देता हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (विशेषज्ञों और पेशेवरों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2021 केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के लिए विशेषज्ञों को शामिल करने के लिए प्रक्रिया बताता हैं। खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा को नियंत्रित करता हैं। कृषि उपज (ग्रेडिंग और अंकन) अधिनियम, 1937 खेती के उत्पाद की श्रेणी को मानकीकृत करता हैं। भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 सर्टिफिकेशन गुणों के जरिए उत्पाद की गुणवत्ता को पक्का करता हैं। भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 अनुबंध को नियंत्रित करता है, जो एग्रीमेंट में उपभोक्ता के अधिकारों पर असर डाल सकते हैं। माल बिक्री अधिनियम, 1930 सामान की बिक्री को नियंत्रित करता हैं। देश में उपभोक्ता धोखाधड़ी के आम प्रकार जैसे - किसी व्यक्ति की निजी जानकारी उदाहरण, बैंक अकाउंट या पैन विवरण का धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल करना। स्कैमर ईमेल, एसएमएस या फोन कॉल के ज़रिए बैंक या दूसरी भरोसेमंद संस्थाओं की नकल करके लोगों से ओटीपी, पासवर्ड या कार्ड विवरण जैसी सेंसिटिव जानकारी निकलवा लेते हैं। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस और क्रेडिट कार्ड पर बिना इजाज़त के लेन-देन बहुत आम हैं। निवेश घोटाला जो असली मुनाफे के बजाय नए निवेशक के पैसे का इस्तेमाल करके ज़्यादा प्रतिफल का वादा करते है, इसमें ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस और ऑनलाइन रिटेलर साइट्स पर होने वाले स्कैम शामिल हैं। स्कैमर किसी असली बिज़नेस का दिखावा करके फ़ोन पर आपके पैसे या निजी जानकारी ले लेते हैं। भारत में साइबर हमलों की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज की गई साइबर सिक्योरिटी घटनाओं की संख्या 2022 में 10.29 लाख से बढ़कर 2024 में 22.68 लाख हो गई है, जो 120 प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी हैं। देश में "डिजिटल अरेस्ट" के मामलों में भी काफी उछाल आया है, जिसमें धोखेबाज़ डीपफेक और नकली पहचान जैसे एडवांस तरीकों का इस्तेमाल करके बड़ी रकम ऐंठ रहे हैं, खासकर बुजुर्गों से। इसके जवाब में, सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है, और पूरे भारत में सीबीआई को इन मामलों की जाँच करने का अधिकार दिया है और ऑनलाइन बिचौलियों को जाँच में सहयोग करने का निर्देश दिया हैं। पिछले आठ महीने में महाराष्ट्र राज्य के 218 डिजिटल अरेस्ट केस में बेगुनाह लोग अपने 112 करोड़ रुपये गवां चुके हैं। आर्थिक वर्ष 2022-23 में डुप्लिकेट उत्पाद की कीमत करीब 8 लाख करोड़ रूपये थी, जिसमें से आधे से ज़्यादा हिस्सा वस्त्र एवं परिधान का था, जो 4,03,915 करोड़ रूपये था। भारत में नकल विरोधी पैकेजिंग बाजार 2024 में 5.5 बिलियन रूपये का था, जिसके 2025-2033 के बीच 14.3 बिलियन रूपये तक पहुंचने का अनुमान हैं। इस साल जनवरी से जून तक छह महीने के समय में, ई-कॉमर्स सेक्टर में नकली, फेक और डुप्लीकेट उत्पाद की बिक्री से जुड़ी 7,221 शिकायतें राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर दर्ज की गईं। 2024 के सरकारी डेटा और रिपोर्ट्स के आधार पर अनुमान बताते हैं कि नकली दवाओं से होने वाला आर्थिक नुकसान करीब 7.5 बिलियन रूपये हैं। अनुमान है कि भारत में सप्लाई होने वाली सभी दवाओं में से 12-25 प्रतिशत तक नकली हो सकती हैं। उपभोक्ता धोखाधड़ी होने पर तुरंत सहायता प्राप्त करें या शिकायत दर्ज करें। ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (https:// cybercrime. gov.in/) पर रिपोर्ट करें। सामान्य उपभोक्ता अपनी शिकायतों के लिए तुरंत ही राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन वेबसाइट (https://consumerhelpline.gov.in/public/) का इस्तेमाल करें या टोल-फ्री नंबर 1800-11-4000 या 1915 पर कॉल करके संपर्क करें या 8800001915 नंबर पर एसएमएस करें। डिजिटल तरीके से शिकायत दर्ज करने के लिए उपभोक्ता ऐप या नेशनल पोर्टल ऑफ इंडिया का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बैंक धोखाधड़ी होने पर बैंकिंग लोकपाल से शिकायत करें। गंभीर आपराधिक घटना होने पर पास के पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करें। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत क्लेम की रकम के आधार पर जिला, राज्य या राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। ग्राहकों के हितों के लिए अनेक उपभोक्ता संगठन और स्वयंसेवी संस्थायें भी मार्गदर्शन करती है, कुछ मामलों में, सिविल न्यायालय भी मदद पाने का एक विकल्प हो सकता है।

अक्सर, झगड़ों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता जैसे तरीके भी मौजूद होते हैं। उपभोक्ताओं की जिम्मेदारियां और जागरूकता ही धोखाधड़ी से बचा सकते हैं। एक नैतिक उपभोक्ता बनें, निष्पक्ष रहें और गलत नीति का प्रयोग न करें। सामान और सेवा का चयन करते समय उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा का ध्यान रखें, उत्पाद या सेवा के बारे में जानकारी इकट्ठा करें और मौजूदा तकनीक में होने वाले बदलावों या नवाचार के बारे में खुद को अद्यावत रखें। उपभोक्ता स्वयम सोचें, अपनी आवश्यकताओ के अनुसार उत्पाद या सेवा का चुनाव करें। अपनी बात कहें, उत्पाद निर्माता और सरकार को अपनी ज़रूरतें और इच्छाएं दर्शाइए। उत्पाद या सेवा से नाखुशी के बारे में शिकायत करें और दूसरों को भी बताएँ। जागरूक उपभोक्ता बने, सुरक्षित रहें।

एक नजर

कासोली में प्रारंभ हुआ सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रशिक्षण शिविर

गीदम 23 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के ग्राम कासोली में वीरांगना मासक देवी नाग शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय जावांगा के द्वारा सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का प्रारंभ क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी के गरिमामई उपस्थित में किया गया । कार्यक्रम में सरपंच ग्राम पंचायत कासोली शैलेश अटामी, उपसरपंच चैतराम भास्कर, वरिष्ठ घासी राम तामो, प्राचार्य ड्ढडॉ. विवेक शर्मा, सुरेंद्र कुमार माहला एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी , सुरेश कुमार यादव सहायक प्राध्यापक, सुशांत ठाकुर, हरीशंकर साहू, संतोष लाटकर, प्रज्ञा, संजय सेवता, प्रवीण नेताम व शिक्षार्थी मौजूद रहे।

एसआईआर संबंधी राजनैतिक दलों की बैठक 23 दिसम्बर को

कांकेर, 23 दिसंबर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)- 2026 हेतु जारी कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार 23 दिसम्बर को जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र अंतागढ़, भानुप्रतापपुर और कांकेर से संबंधित मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार कुर्रे ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा एसआईआर-2026 के दौरान की गई गतिविधियों के संबंध में चर्चा हेतु 23 दिसम्बर को जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक सुबह 10.30 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आहूत की गई है, जिसमें उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

मनरेगा के कुएं से बढ़ी आय, प्रधानमंत्री आवास को मिला मजबूत आधार

रायपुर,23 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत ग्रामीण परिवारों को आजीविका से जोड़ने के लिए हितग्राहीमूलक कार्य किए जा रहे हैं। इन्हीं कार्यों में कुआं निर्माण भी शामिल है, जिसका उद्देश्य किसानों को सिंचाई की सुविधा देकर उनकी आय बढ़ाना है। बीजापुर जिले के विकासखंड भोपालपटनम अंतर्गत ग्राम पंचायत दम्पाया के निवासी श्री वड्डे नागैया को मनरेगा योजना से सीधे लाभ मिला है। उनके पास लगभग डेढ़ एकड़ कृषि भूमि है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में मनरेगा के तहत उनके खेत में 2 लाख 10 हजार रुपये की लागत से कुआं निर्माण कराया गया।

कुएं के निर्माण से खेत में नियमित सिंचाई संभव हो पाई। इससे श्री नागैया ने धान की खेती के साथ-साथ सब्जी उत्पादन भी शुरू किया। सब्जी की खेती से उन्हें लगभग 10 हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी हुई। इसके अलावा, उन्होंने कुएं के पानी से लगभग 50 हजार ईंटों का निर्माण किया, जिनमें से 20 हजार ईंटों को बेचकर करीब 40 हजार रुपये की आय अर्जित की।

निर्मित ईंटों का उपयोग उनके पिता श्री वड्डे एल्ला के नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत मकान निर्माण में किया जा रहा है। इस तरह मनरेगा से बना कुआं न केवल उनकी आय का साधन बना, बल्कि पक्के मकान के निर्माण में भी सहायक सिद्ध हुआ। मनरेगा के अंतर्गत तैयार की जा रही टिकाऊ परिसंपत्तियां ग्रामीणों को रोजगार, सिंचाई और आय का स्थायी साधन उपलब्ध करा रही हैं। साथ ही, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी अन्य शासकीय योजनाओं से जुड़कर ये कार्य ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रहे हैं।झ्र

डिजिटल टोकन व्यवस्था से अब आसानी से हो रही है धान खरीदी

रायपुर, 23 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महासमुंद जिले में सभी उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी का कार्य सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो रहा है। इसी क्रम में महासमुंद अंतर्गत ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित कनेकेरा (शेर) में धान उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से जारी है। समिति प्रबंधक श्री परमेश्वर यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि आज समिति में 29 किसानों द्वारा 1777 क्विंटल धान के लिए टोकन जारी किए गए। उन्होंने बताया कि अब तक समिति में कुल 561 किसानों द्वारा 31 हजार 438 क्विंटल धान का विक्रय किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कुनकुरी नगर को दी 107.32 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक विकास सौगात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 23 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन के दो वर्षों के दौरान विकास की नई गति देखने को मिल रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के कुनकुरी नगर पंचायत क्षेत्र को 107 करोड़ 32 लाख रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की स्वीकृति देकर मुख्यमंत्री ने नगर को ऐतिहासिक सौगात दी है। इन योजनाओं से कुनकुरी नगर की आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन, यातायात और नागरिक सुविधाओं में व्यापक और दीर्घकालिक सुधार होगा।

कुनकुरी नगर में युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 63 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत से इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण को मंजूरी दी गई है। यह कॉम्प्लेक्स क्षेत्रीय युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नगर पंचायत क्षेत्र में 53 विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये की स्वीकृति देकर जनता से किए गए अपने वादे को पूरा किया है। इन कार्यों से नगर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ होंगी और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुनकुरी को बड़ी सौगात देते हुए 2 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से नेचुरोपैथी भवन निर्माण को मंजूरी दी गई है। इससे प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और योग को बढ़ावा मिलेगा तथा नागरिकों को बेहतर वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

पर्यटन और धार्मिक आस्था को सशक्त करने के लिए छठ घाट के समग्र विकास हेतु 5 करोड़ 17 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। घाट के सौंदर्यीकरण और विकास से स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक गतिविधियों मंक वृद्धि होगी।

कुनकुरी नगर में सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए 6 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से आधुनिक बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम भवन का निर्माण किया जाएगा, जिससे कला, संस्कृति और सामाजिक आयोजनों को नया मंच मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र में मजबूती लाने के उद्देश्य से नालंदा परिसर के 250 सीटर विस्तार के लिए 4 करोड़ 37 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा।

नगर के यातायात को सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए 7 करोड़ 26 लाख रुपये की लागत से हाई-टेक बस स्टैंड के निर्माण को मंजूरी मिली है, जिससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी और यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही नगर में बच्चों के मनोरंजन और सुरक्षित खेल के लिए 1 करोड़ 2 लाख रुपये की लागत से रिक्रिएशन चिल्ड्रन पार्क का निर्माण किया जाएगा। वहीं 6 करोड़ रुपये की राशि से वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक एलईडी स्ट्रीट लाइट एवं अन्य विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे नगर में बेहतर प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

इन सभी योजनाओं के माध्यम से कुनकुरी नगर तेजी से स्मार्ट सुविधाओं, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, सशक्त शिक्षा, आधुनिक यातायात और समृद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों से युक्त एक आदर्श नगर के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री श्री

महिलाओं के हाथों में आई आत्मनिर्भरता की डोर

घर-घर रोजगार, हाथ-हाथ हुनर से नगरी का रेशम क्लस्टर बनेगा मिसाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 23 दिसंबर। धमतरी जिले के नगरी विकासखंड में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल की जा रही है। प्रस्तावित तसर रेशम क्लस्टर अब केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के लिए स्थायी आजीविका का भरोसेमंद माध्यम बनकर उभर रहा है। केंद्र सरकार को भेजा गया यह प्रस्ताव अंतिम अनुमोदन की प्रक्रिया में है, जिसके बाद नगरी क्षेत्र रेशम उत्पादन की एक नई पहचान बनाएगा।

महिलाओं के हाथों में आई आत्मनिर्भरता की डोरः इस पहल का सबसे सशक्त पहलू है दृ महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण। प्रारंभिक चरण में 20 महिलाओं को तसर कोसा धागाकरण हेतु बुनियाद रीलिंग एवं विद्युत चालित स्पिनिंग मशीनों का प्रशिक्षण दिया गया है। अगले चरण में चार अन्य ग्रामों की 20 महिलाओं को भी इससे जोड़ा जाएगा। आज ये महिलाएं कोसा से धागा बनाकर अपने हुनर से आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रही हैं।

घर बैठे रोज़गार, रोज़ बढ़ती आमदनीः खोज संस्थान की प्रतिनिधि श्रीमती सावित्री यादव बताती हैं कि प्रशिक्षित महिलाएं अब अपने घरों में ही तसर धागा उत्पादन कर रही हैं, जिससे उन्हें प्रतिदिन ?200 से ?250 तक की अतिरिक्त आय हो रही है। स्थानीय महिला भुनेश्वरी के अनुसार कोसा को सोडा-साबुन मिश्रण में उबालकर मशीनों से महीन धागा बनाया जाता है, जिसकी बाजार में अच्छी मांग है। यह कार्य कम संसाधनों में सम्मानजनक आय दे रहा है। किसानों के लिए आय का नया विकल्पः रेशम क्लस्टर का लाभ केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है। इच्छुक किसान अपने खेतों में शहतूत के पौधे लगाकर कोसा पालन कर सकेंगे। इससे कृषि आय में विविधता आएगी और जोखिम भी घटेगा। प्रारंभिक रूप से 40 किसानों ने इस योजना से जुड़ने की सहमति दी है। प्रशासन द्वारा उन्हें आधुनिक रेशम उत्पादन तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

प्रशासन की सोच, आत्मनिर्भर गांव :कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि ÷रेशम उद्योग ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम है। तसर उत्पादन में अल्प निवेश से अधिक लाभ संभव है। यह महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का प्रभावी साधन बनेगा। हमारा लक्ष्य है कि हर ग्रामीण महिला अपने कौशल से आर्थिक रूप से सशक्त बने।

धमतरी जिला प्रशासन की यह पहल प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग, विपणन व्यवस्था और बाजार से सीधा जुड़ाव सुनिश्चित करेगी। रेशम क्लस्टर के माध्यम से महिलाओं, किसानों और युवाओं को दीर्घकालिक एवं सम्मानजनक आजीविका मिलेगी। यह प्रयास न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा, बल्कि ÷आत्मनिर्भर धमतरी÷ के संकल्प को जमीन पर साकार करेगा।

नगरी में रेशम की यह पहल साबित कर रही है कि सही नीति, प्रशिक्षण और विश्वास के साथ ग्रामीण विकास की कहानी नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकती है।

धान के अवैध परिवहन, भंडारण व खरीदी के 46 मामलों में 1388 क्विंटल धान जब्त

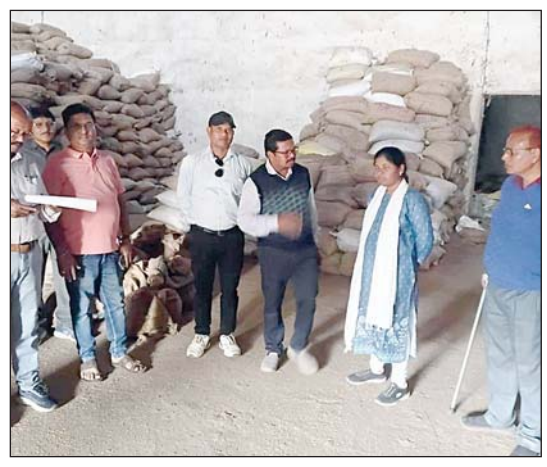

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 23 दिसंबर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत प्रदेश सरकार द्वारा 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। इसके साथ ही कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के धान के अवैध परिवहन, भण्डारण तथा खरीदी के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा गठित टीमों के द्वारा सतत कार्यवाही कर धान की जब्ती की जा रही है। खाद्य शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 नवम्बर से अब तक धान के अवैध परिवहन, भण्डारण तथा खरीदी के 46 प्रकरण तैयार कर संबंधितों के विरूद्ध मण्डी अधिनियम-1972 के तहत विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई कर 1388.60 क्विंटल धान की जब्ती की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 नवम्बर को धान के अवैध परिवहन, भण्डारण तथा खरीदी के 10 प्रकरण तैयार कर संबंधितों से 330.80 क्विंटल धान बरामद कर मण्डी अधिनियम 1972 के तहत कार्यवाही की गई। इसी तरह 17 नवम्बर को 04 प्रकरणों में 148.40 क्विंटल, 19 नवम्बर को एक प्रकरण में 26 क्विंटल, 20 नवम्बर को 02 प्रकरणों में 74 क्विंटल, 22 नवम्बर को एक प्रकरण में 12.40 क्विंटल, 24 नवम्बर को 05 प्रकरण में 196.80 क्विंटल, 26 नवम्बर को दो प्रकरणों में 42.50 क्विंटल, 27 नवम्बर को 24 क्विंटल धान के अवैध परिवहन के विरूद्ध टीम द्वारा मण्डी अधिनियम 1972 के तहत कार्यवाही की गई। इसके अलावा 02 दिसम्बर को एक प्रकरण में 20 क्विंटल, 03 दिसम्बर को एक प्रकरण के विरूद्ध 24 क्विंटल, 04 दिसम्बर को 02 प्रकरणों में 112 क्विंटल, 11 दिसम्बर को एक प्रकरण में 10 क्विंटल, 12 दिसम्बर को 03 प्रकरणों में 51 क्विंटल, 13 दिसम्बर को दो प्रकरणों में 60 क्विंटल, 15 दिसम्बर को दो प्रकरणों में 44.50 क्विंटल, 17 दिसम्बर को दो प्रकरणों में 55 क्विंटल, 18 दिसम्बर को पांच प्रकरणों में 155.20 क्विंटल धान की जब्ती बनाकर मण्डी अधिनियम 1972 के तहत अवैध परिवहन, भण्डारण तथा खरीदी के विरूद्ध कार्यवाही की गई। कलेक्टर ने खाद्य एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को आगे भी धान के अवैध परिवहन, भण्डारण तथा खरीदी के विरुद्ध सतत् कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

वन अमले ने राइस मिल परिसर से किया जंगली भालू का सुरक्षित रेस्क्यू

रायपुर,23 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मरवाही वनमंडल अंतर्गत मरवाही परिक्षेत्र के धनपुर वृत्त स्थित एक राइस मिल परिसर में 21 दिसंबर 2025 की सुबह लगभग 5 बजे एक जंगली भालू के घुसने की सूचना मिली। बताया गया कि भालू मधुमक्खी का छत्ता खाने के उद्देश्य से परिसर में आया था। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी वन विभाग को दी।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राइस मिल को अस्थायी रूप से बंद कराया गया और सभी लोगों को सुरक्षित दूरी पर रहने के निर्देश दिए गए। मानव और वन्यप्राणी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग की उड़नदस्ता टीम द्वारा दिन और रात के समय पीडब्ल्यूडी सड़क पर लगभग 60-60 मीटर की दूरी तक वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की गई। भालू राइस मिल परिसर में स्थित लगभग 32 फीट ऊंचे शेड पर चढ़ गया था, जिससे उसे सुरक्षित नीचे उतारना चुनौतीपूर्ण हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने विशेष रेस्क्यू योजना बनाई। मिल प्रबंधन के सहयोग से शेड तक मजबूत सीढ़ियां सुरक्षित रूप से लगाई गईं, ताकि भालू बिना किसी चोट के नीचे उतर सके। 22 दिसंबर 2025 की सुबह लगभग 3 बजे शांत वातावरण बनाए रखते हुए और भीड़ व शोर से बचते हुए भालू को सीढ़ी और एंगल की सहायता से सुरक्षित नीचे उतारा गया। इसके बाद भालू को वन अमले की निगरानी में सुरक्षित रूप से पास के प्राकृतिक वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। इस पूरे रेस्क्यू अभियान के दौरान किसी भी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ और भालू को भी पूरी तरह सुरक्षित बचा लिया गया। वन विभाग ने राइस मिल प्रबंधन, स्थानीय नागरिकों और पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि वन्यजीव दिखाई देने पर घबराएं नहीं, भीड़ या शोर न करें और तुरंत वन विभाग को सूचना दें, ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष से बचा जा सके।

कासोली में होगा वार्षिक सम्मेलन कोया करसाड़ का आयोजन, बैठक में लिया गया निर्णय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम 23 दिसम्बर। शनिवार को ग्राम कासोली में वार्षिक कोया करसाड़ सम्मेलन 2026 के संबंध में स्थल चयन कर चर्चा किया गया। हर वर्ष कोया आदिवासी समाज द्वारा वार्षिक उत्सव मनाया जाता है जो की अपने समाज में एकता नई युवा पीढ़ी को रीति रिवाज आदि के बारे में जानकारी साझा किया जाता है जिससे युवा पीढ़ी को बदलते परिवेश में अपनी संस्कृति की सृजन हो सके। इस वर्ष गीदम ब्लॉक के ग्राम कासोली में स्थल का चयन किया गया है जिसमें कोया समाज के जिलाध्यक्ष बल्लू भवानी, सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष सुरेश कर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष महादेव नेताम , सचिव बुधराम नाग, जग्गू राम अटामी , रामलाल नेताम, बालसिंह कोरसा , सुदराम भास्कर , जीला राम कोर्राम , बोसा राम अटामी , अंती वेक , शकुंतला भास्कर, कुम्मा राम कश्यप , शैलेश अटामी , मोती राम सोरी, दिलीप नेताम, लैस नेताम , कलाराम अटामी, जे आर नुरेठी , सत्यवान , ग्राम के पेरमा पुजारी पटेल सहित कई वरिष्ठ कनिष्ठ मौजूद रहे।

धान बेचकर हार्वेस्टर खरीदने की योजना बना रहे किसान रमेश

■ कहा- सरकार की किसान हितैषी नीतियां खेती को लाभदायक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 23 दिसंबर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी से किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। उपार्जन केन्द्रों में धान बेचकर किसान अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ घर बनाने, ब्याह करने, वाहन खरीदने, कृषि उपकरण क्रय करने जैसे बड़े कामों में भी इससे प्राप्त राशि का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण चारामा विकासखण्ड के ग्राम चिनौरी में देखने को मिला, जहां किसान श्री रमेश निषाद ने धान खरीदी केंद्र चिनौरी में 96 क्विंटल धान का विक्रय अपने सपने को साकार करने की दिशा में पहल कर रहे है। किसान श्री निषाद ने बताया कि उनके पास 6 एकड़ कृषि योग्य भूमि है तथा उनके परिवार में कुल 5 सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि धान विक्रय से प्राप्त राशि से वे कृषि कार्यों को और अधिक आसान व सुविधाजनक बनाने के लिए हार्वेस्टर क्रय करने की योजना बना रहे हैं। साथ ही पूर्व में कुछ राशि जमा कर रखी है जिसकी मदद से वे हार्वेस्टर क्रय करेंगे। उन्होंने शासन की धान खरीदी नीति की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि सरकार की किसान हितैषी नीतियां और योजनाएं खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

राजधानी के हांडी पारा स्थित छत्तीसगढ़ भवन में

एक साथ मनाई गई छत्तीसगढ़ की तीन महान विभूतियों की जयंती

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर 23 दिसंबर। प्रदेश की तीन महान विभूतियों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर राजधानी रायपुर के हाँडीपारा स्थित छत्तीसगढ़ी भवन में आज 21 दिसम्बर को प्रबुद्धजनों की विचार -गोष्ठी आयोजित की गई.इसमें वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक कार्यों में तीनों विभूतियों के योगदान को याद किया. इन विभूतियों में से छत्तीसगढ़ के गांधी के नाम से लोकप्रिय पंडित सुन्दरलाल शर्मा का जन्म 21दिसम्बर 1881 को राजिम में और त्यागमूर्ति के नाम से प्रसिद्ध ठाकुर प्यारेलाल सिंह का जन्म 21दिसम्बर 1891 को ग्राम -दैहान (जिला - राजनांदगांव) में हुआ था, जबकि संविधान सभा के सदस्य रहे,संविधान पुरुष के नाम से प्रसिद्ध घनश्याम सिंह गुप्त का जन्म 22दिसम्बर 1885 को दुर्ग में हुआ था.

स्वतंत्रता संग्राम में भी तीनों विभूतियों की सक्रिय भूमिका थी.छत्तीसगढ़ी भवन की विचार -गोष्ठी में तीनों की जयंती आज एक साथ मनाई गई.तीनों विभूतियों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर इतिहासकार डॉ. के. के. अग्रवाल, वरिष्ठ रंगकर्मी और लेखक अरविन्द मिश्रा, संस्कृति कर्मी अशोक तिवारी, साहित्यकार और पत्रकार स्वराज्य करुण और छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण सेनानी, किसान नेता और पत्रकार गोवर्धन चंद्राकर ने प्रकाश डाला.

सर्वप्रथम तीनों विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण किया गया. लोकतंत्र सेनानी और राज्य निर्माण सेनानी जागेश्वर प्रसाद ने स्वागत भाषण देने के बाद कार्यक्रम का संचालन भी किया.राज्य निर्माण आंदोलनकारी छसपा द्वारा आयोजित विचार -गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. के. के. अग्रवाल ने स्वतंत्रता संग्राम और अछूतोद्धार के लिए छत्तीसगढ़ में पंडित सुन्दरलाल शर्मा की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख किया.

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि उस दौर में पंडित सुन्दरलाल शर्मा ने एक साथ तीन बड़े कार्य किए. उन्होंने समाज में जन -जागरण के लिए खण्ड -काव्य 'दानलीला ' सहित 18 ग्रंथों की रचना की.राष्ट्रीय विद्यालय का संचालन किया. स्वदेशी आंदोलन, किसान आंदोलन, जंगल सत्याग्रह और नहर सत्याग्रह में भी पंडित सुन्दरलाल शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका थी. वे छत्तीसगढ़ में अछूतोद्धार आंदोलन के प्रणेता थे. स्वतंत्रता आंदोलन में गिरफ्तार होकर उन्हें जेल में भी रहना पड़ा.त्यागमूर्ति ठाकुर प्यारेलाल सिंह को याद करते हुए इतिहासकार डॉ. के. के. अग्रवाल ने कहा कि ठाकुर साहब ने वर्ष 1919 में राजनांदगाँव में लगभग 36 दिनों तक चले छत्तीसगढ़ के प्रथम मज़दूर आंदोलन का नेतृत्व किया. यह आंदोलन उनकी अगुवाई में सूती कपड़ा मिल के मज़दूरों ने किया था.डॉ. अग्रवाल ने कहा कि त्यागमूर्ति ठाकुर प्यारेलाल सिंह छत्तीसगढ़ के इस प्रथम मज़दूर आंदोलन के अग्रदूत और सहकारिता आंदोलन के भी पुरोधा थे. छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के लिए रायपुर में पहला कॉलेज उन्हीं के प्रयासों से छत्तीसगढ़ कॉलेज के नाम से शुरु हुआ. इसके लिए ठाकुर साहब की अध्यक्षता में वर्ष 1937 में छत्तीसगढ़ एजुकेशन सोसायटी का गठन किया गया था।

एक नजर

किसान 31 दिसम्बर तक करा सकेंगे उद्यानिकी फसलों का बीमा

रायगढ़, 23 दिसम्बर। उद्यानिकी फसल उत्पादक किसानों के लिए शासन की अधिसूचना के साथ वर्ष 2025-26 के लिए पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना राज्य में लागू कर दी गई है। इस योजना के अंतर्गत रबी मौसम की प्रमुख उद्यानिकी फसलें टमाटर, बैंगन, फूलगोभी, पत्तागोभी, आलू एवं प्याज को शामिल किया गया है। रायगढ़ जिले के इच्छुक ऋणी एवं अऋणी किसान 31 दिसम्बर 2025 तक लोक सेवा केंद्र, बैंक शाखा, सहकारी समिति अथवा एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधियों से संपर्क कर अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। बीमा कंपनी के जिला स्तरीय प्रतिनिधि श्री संजीव कुमार साहू, मोबा. नंबर 7489601443 से भी किसान सीधे संपर्क कर सकते हैं। सहायक संचालक उद्यान रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना में शामिल होने के लिए अऋणी कृषकों (भूधारक एवं बटाईदार) को घोषणा पत्र के साथ फसल बुआई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज जमा करना होगा। चयनित उद्यानिकी फसलों के बीमा के लिए किसानों को निर्धारित बीमित राशि का केवल 5 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा, जबकि शेष राशि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने बताया कि जो ऋणी किसान योजना में शामिल नहीं होना चाहते हैं, उन्हें बीमा आवेदन की अंतिम तिथि से सात दिवस पूर्व संबंधित बैंक में हस्ताक्षरित घोषणा पत्र जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय-सीमा में घोषणा पत्र जमा नहीं करने पर संबंधित बैंक द्वारा रबी मौसम के लिए स्वीकृत या नवीनीकृत अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जाएगा।

इस योजना के तहत किसानों को तापमान में अत्यधिक उतार-चढ़ाव, कम या अधिक वर्षा, बेमौसम वर्षा, कीट एवं व्याधि अनुकूल मौसम, ओलावृष्टि, चक्रवाती हवाएं एवं हवा की गति जैसी प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को होने वाले नुकसान पर बीमा लाभ मिलेगा। रबी मौसम में ओलावृष्टि अथवा चक्रवाती हवाओं से फसल क्षति की स्थिति में किसान 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 1800-419-0344 पर सूचना दे सकते हैं अथवा लिखित रूप में संबंधित बैंक, स्थानीय राजस्व, उद्यानिकी या कृषि अधिकारी अथवा जिला उद्यान अधिकारी को अवगत करा सकते हैं।

जिले में समर्थन मूल्य पर 55,735 किसानों से अब तक 2 लाख 66 हजार मी.टन धान की खरीदी

धमतरी, 23 दिसंबर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धमतरी जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान हितैषी रूप से संचालित की जा रही है। जिले की 74 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के अंतर्गत कुल 100 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से अब तक पंजीकृत 1,29,380 किसानों में से 55,735 किसानों से 2,66,155 मे.टन धान की खरीदी की जा चुकी है।

अब तक खरीदी गई धान का कुल मूल्य 631.18 करोड़ रुपये है, जिसमें से 52,560 किसानों को 594.19 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे बैंक खातों में किया जा चुका है। शेष किसानों को भी नियमानुसार निरंतर भुगतान किया जा रहा है, जिससे किसानों में संतोष एवं विश्वास का वातावरण बना हुआ है। जिले में उपार्जित धान के शीघ्र निराकरण हेतु कस्टम मिलिंग व्यवस्था के अंतर्गत अब तक 159 राइस मिलों का पंजीयन किया गया है। पंजीकृत राइस मिलरों द्वारा अनुबंध के पश्चात 89,856.40 मे.टन धान उठाव के लिए डिलीवरी ऑर्डर (डी.ओ.) जारी किए गए हैं, जिसके विरुद्ध 43,258.80 मे.टन धान का उठाव किया जा चुका है। वर्तमान में उपार्जन केन्द्रों में 2,22,896.20 मे.टन धान उठाव हेतु शेष है, जिसका निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान कोचियों एवं बिचौलियों द्वारा अवैध भंडारण अथवा परिवहन की संभावनाओं को रोकने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। प्रत्येक विकासखंड में राजस्व, कृषि, खाद्य, सहकारिता एवं कृषि उपज मंडी विभाग के अधिकारियों को शामिल करते हुए ब्लॉक एवं जिला स्तरीय उड़नदस्ता दलों का गठन किया गया है। इन उड़नदस्ता दलों द्वारा दिनांक 22 दिसंबर 2025 तक मंडी अधिनियम 1972 के तहत लगातार कार्यवाही करते हुए 112 प्रकरण दर्ज किए गए हैं तथा 4,619.5 क्विंटल अवैध धान जप्त किया गया है। यह कार्यवाही शासन की जीरो टॉलरेंस नीति और किसानों के हितों की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जिला प्रशासन के सतत् प्रयासों से धमतरी जिले में धान खरीदी, भुगतान एवं परिवहन की संपूर्ण व्यवस्था पारदर्शी, सुरक्षित और किसान हित में संचालित हो रही है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए 6 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 23 दिसम्बर। एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ (शहरी) रायगढ़ अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र विनोबनगर ए वार्ड क्रमांक 24 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद के लिए 26 जनवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए है। इच्छुक आवेदिका नियत तिथि एवं समय पर आवेदन परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना, रायगढ़ में जमा कर सकते है।

ग्राम जामबहार में की गई मौके पर जांच, अवैध उत्खननकर्ता ने किया अपराध स्वीकार

अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग ने की 8.93 लाख रुपए की शास्ति अधिरोपित

रायगढ़, 23 दिसम्बर। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। ग्रामवासियों से खनिज पत्थर के अवैध उत्खनन की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम द्वारा तहसील लैलूंगा अंतर्गत ग्राम जामबहार में 9 दिसंबर 2025 को ग्रामीणों की उपस्थिति में मौके पर जांच की गई।

मौका जांच के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि खनिज पत्थर का अवैध उत्खनन विंकल मित्तल, निवासी लैलूंगा द्वारा किया गया है। जांच के समय संबंधित व्यक्ति द्वारा भी अवैध उत्खनन किए जाने की बात स्वीकार की गई, जिसके आधार पर खनिज विभाग द्वारा तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की गई।

खनिज विभाग द्वारा उक्त प्रकरण में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत खनिज पत्थर के अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज किया गया। साथ ही अधिनियम की धारा 21(5) एवं 23क के अंतर्गत अवैध उत्खननकर्ता पर 8,93,640 रुपये की शास्ति अधिरोपित करते हुए राशि खनिज मद में जमा कराई गई। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज अमले द्वारा निरंतर एवं कड़ी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए है।

धान खरीदी योजना में लापरवाही पर कमरगा हल्का पटवारी निलंबित

रायगढ़, 23 दिसम्बर। राज्य शासन की प्राथमिकता वाली धान खरीदी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में लापरवाही बरतना ग्राम कमरगा के हल्का पटवारी को भारी पड़ गया। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर लैलूंगा एसडीएम द्वारा ग्राम कमरगा के हल्का पटवारी श्री जितेन्द्र भगत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें तहसील मुख्यालय लैलूंगा में संलग्न किया गया है तथा इस अवधि में उन्हें मूलभूत नियम 53 के अंतर्गत नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक समितियों एवं उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जा रही है। इसके लिए सभी संबंधित पटवारियों एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को किसानों के धान उत्पादन का भौतिक सत्यापन करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में 22 दिसम्बर 2025 को ग्राम कमरगा के हल्का पटवारी श्री जितेन्द्र भगत से धान सत्यापन के संबंध में जानकारी मांगी गई, परंतु वे संतोषजनक जानकारी प्रस्तुत नहीं कर सके। उनके द्वारा मात्र तीन किसानों के पंचनामा प्रस्तुत किए गए, जिनमें केवल किसानों का नाम और हस्ताक्षर अंकित थे, जबकि आवश्यक विवरण एवं सत्यापन से संबंधित कोई जानकारी दर्ज नहीं थी। अतिरिक्त जानकारी पूछे जाने पर भी उनके द्वारा किसी प्रकार का संतोषप्रद उत्तर नहीं दिया गया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनीं आम लोगों की समस्याएं

रायगढ़, 23 दिसम्बर। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आज जिले के शहरी एवं ग्रामीण अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के समक्ष प्रस्तुत कीं। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को जिला कलेक्टोरेट में जनदर्शन का आयोजन किया जाता है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनता को राहत पहुंचाना और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण को पूरी गंभीरता से लें, किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जनदर्शन के दौरान ग्राम बनसिया निवासी श्री जोगीदास महंत ने बिजली बिल माफ किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि सामान्यतः उनका मासिक बिजली बिल 50 से 100 रुपए के बीच आता है, किंतु इस माह 4 हजार रुपए से अधिक का बिल आ जाने के कारण वे भुगतान करने में असमर्थ हैं। इस पर कलेक्टर ने ईई, सीएसईबी को मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार तहसील तमनार के ग्राम-राबो निवासी श्री जैमल

डनसेना धान बिक्री हेतु टोकन जारी करवाने के संबंध में आवेदन लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि एग्रीस्टेक पोर्टल में यूएफआर लंबित होने के कारण सोसायटी द्वारा नया टोकन जारी नहीं किया जा रहा है, जिससे वे अब तक धान बिक्री नहीं कर पाए हैं। कलेक्टर ने संबंधित एसडीएम को त्वरित कार्यवाही कर किसान को राहत दिलाने के निर्देश दिए।ग्राम उसरौठ निवासी श्री महेत्तर सिंह सारथी ने अपने पिता स्वर्गीय बल्दु राम सारथी के निधन के पश्चात वारिसान पंजीयन में अपना नाम दर्ज कराने संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। वहीं तहसील तमनार के ग्राम बासनपाली निवासी योगेश कुमार श्रीवास ने वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत वन अधिकार पट्टा प्रदान किए जाने का आग्रह किया। रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 9 एवं 10 के मोहल्लेवासियों ने फेब्रिकेशन गली के सामने नाली निर्माण कराए जाने हेतु आवेदन सौंपा।

जनगणना-2027 को लेकर जिले में तैयारियां शुरू

रायगढ़, 23 दिसम्बर। भारत की जनगणना 2027 दो चरणों में पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से करायी जानी है। जिसके मद्देनजर जिले में इसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। जनगणना कार्य के प्रथम चरण के अंतर्गत नगरों एवं ग्रामों की भौगोलिक सीमा एवं स्थिति को सटीक रूप से भू-संदर्भित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी बसाहट का क्षेत्र छूटे नहीं और न ही किसी क्षेत्र का दूसरे क्षेत्र से अधिव्यापन हो।

अपर कलेक्टर रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तर पर निदेशालय के जिला नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में गुगल अर्थ पीआरओ के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण भारत सरकार, गृह मंत्रालय, जनगणना कार्य निदेशालय, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार

आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री शेषा प्रसाद पांडा, जनगणना नोडल अधिकारी, जिला रायगढ़ द्वारा 22 दिसंबर को जिला कार्यालय रायगढ़ के सभाकक्ष में तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य हेतु उपयोग में लाए जाने वाले चार्ज मानचित्र में ग्रामों एवं नगरों की सीमा एवं स्थिति की पूर्ण सटीकता सुनिश्चित करना संबंधित चार्ज अधिकारी की जिम्मेदारी है। इसी कारण चार्ज मानचित्र का प्रमाणन एवं सत्यापन चार्ज अधिकारी द्वारा किया जाना अनिवार्य है।पांडा ने प्रशिक्षण के दौरान जिले की सभी तहसीलों से उपस्थित सभी तहसीलदारों, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं उनके सहयोगी कर्मचारियों को गुगल अर्थ पीआरओ के माध्यम से ग्रामों की भौगोलिक सीमा एवं लोकेशन को सटीक रूप से अंकित करने की प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 7 दिवस के भीतर सभी ग्रामों की भौगोलिक सीमा एवं स्थिति का कार्य पूर्ण कर उन्हें भू-संदर्भित किया जाए, जिससे जनगणना 2027 का कार्य बिना किसी त्रुटि के सुचारू रूप से संपन्न किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया गया, ताकि आगामी जनगणना में डिजिटल मानचित्रण की प्रक्रिया पारदर्शी, सटीक एवं प्रभावी ढंग से क्रियान्वित की जा सके।

समाचार संक्षेप

गुरु घासीदास लोककला महोत्सव-2025 में पचरी की पंथी पार्टी जिले से करेगी शिरकत

महासमुंद 23 दिसम्बर । आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग महासमुंद द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय खैरा के मैदान में प्रति वर्ष की भांति जिला स्तरीय गुरु घासीदास लोक कला महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें सतनाम पंथी पार्टी पचरी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो राज्य स्तरीय गुरु घासीदास लोककला महोत्सव 2025 में शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत खैरा के सरपंच श्री प्रांशु चंद्राकर तथा विशिष्ट अतिथि श्री बी के ढीढी पूर्व मंडल संयोजक रहे। इस अवसर पर ग्राम के दर्शक गण एवं विभाग की ओर से आर एन ध्रुव, सतीश घृतलहरे, पुष्कर चंद्राकर, मोहनीश वैष्णव, संदीप घृतलहरे, अमृता रायसागर, तनुजा चंद्राकर, ममता सोनी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की मिसाल बने छर्राटांगर के किसान तुलसी राम मांझी

रायगढ़, 23 दिसम्बर। प्राकृतिक खेती की एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुके हैं किसान तुलसीराम मांझी, भले ही उन्होंने केवल तीसरी कक्षा तक ही पढ़ाई की हो, लेकिन खेती को लेकर उनकी समझ, नवाचार और अनुभव किसी विशेषज्ञ से कम नहीं है। रासायनिक खेती को छोड़कर प्राकृतिक खेती की ओर उनका कदम आज उन्हें बेहतर उत्पादन, कम लागत और अधिक आय दिला रहा है। प्राकृतिक खेती के प्रति उनके समर्पण और मेहनत ने शानदार परिणाम दिए हैं। प्रति एकड़ लगभग 8 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। वहीं उनके खेत की मिट्टी में ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा 0.20 से बढ़कर 0.75 तक पहुंच गई, जो भूमि के उपजाऊ होने का स्पष्ट प्रमाण है। प्राकृतिक खेती से उनकी कुल लागत मात्र 4 हजार रुपए प्रति एकड़ आई, जबकि शुद्ध आय बढ़कर 48 हजार रुपए प्रति एकड़ तक पहुंच गई।

रायगढ़ जिले के घरघोड़ा विकासखंड के छोटे से गांव छर्राटांगर में रहने वाले किसान श्री तुलसी राम मांझी वर्ष 2023 से पहले तक पारंपरिक और आधुनिक चलन के अनुसार रासायनिक खेती करते थे। लेकिन बढ़ती लागत और मिट्टी की सेहत को देखते हुए उन्होंने एक बड़ा निर्णय लिया और प्राकृतिक खेती अपनाने का संकल्प लिया। इस दिशा में केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग ने उन्हें सहयोग प्रदान किया। कृषि विभाग, जिला रायगढ़ द्वारा उन्हें प्राकृतिक खेती की बारीकियों का प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

तुलसी राम मांझी के पास दो गायें हैं, जो उनकी प्राकृतिक खेती की सबसे बड़ी ताकत हैं। वे मूंगफली, साग-सब्जी के साथ-साथ आम की खेती भी करते हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशकों को पूरी तरह त्याग कर उन्होंने घर पर ही बीजामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, छाछ, बायो-कल्चर और हरी खाद जैसे प्राकृतिक इनपुट तैयार किए। पौधों के पोषण और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए वे नियमित रूप से बीजामृत और जीवामृत का उपयोग करते हैं। हरी खाद के लिए तिल और मूंग की फसल उगाते हैं तथा गोबर और गौमूत्र से बने कम्पोस्ट का प्रयोग करते हैं। फसल चक्र अपनाकर वे मिट्टी की सेहत बनाए रखते हैं। कीट एवं रोग नियंत्रण के लिए वे जहरीले रसायनों की बजाय नीम की निम्बोली से तैयार अर्क, आग्नेयास्त्र और विभिन्न प्राकृतिक ट्रैप क्रॉप्स का उपयोग करते हैं। तुलसी राम मांझी की यह सफलता यह साबित करती है कि यदि वैज्ञानिक तरीके से प्राकृतिक खेती की जाए, तो न केवल जहरमुक्त और स्वास्थ्यवर्धक भोजन प्राप्त किया जा सकता है, बल्कि किसानों की आमदनी भी कई गुना बढ़ाई जा सकती है। उनकी यह पहल आज अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते कदमों को नई दिशा दे रही है।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान- घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

धमतरी, 23 दिसंबर । राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत आज दूसरे दिन घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो खुराक पिलाई गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू.एल.कौशिक ने बताया कि राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के तहत दूसरे दिन कुरूद में 32 हजार 228, मगरलोड 22 हजार 575, गुजरा 19 हजार 335, नगरी 35हजार 529, धमतरी शहर में 24 हजार 47 घरों का भ्रमण कर कुल 5 हजार 458 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। इसी तरह मलिन बस्ती में 74, ईंट भट्ठा में 12, स्थाई उच्च जोखिम क्षेत्र में 3 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गयी। इस अभियान में मितानीन, आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं अन्य स्वयं सेवी संस्थाएं भी सहयोग कर रहे है।

सुशासन सप्ताह-2025 के तहत प्रशासन गांव की ओर अभियान का आयोजन जारी

महासमुंद, 23 दिसंबर । सुशासन सप्ताह 2025 के अंतर्गत जिले में प्रशासन गांव की ओर अभियान का आयोजन 19 दिसंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सीधे गांव-गांव तक पहुंचाना तथा आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है।

इसी क्रम में आज महासमुंद विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत मोंगरा के पूर्व माध्यमिक शाला में शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर, जनपद सदस्य श्रीमती नीता साहू, एसडीएम अक्षा गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर शुभम देव, जनपद सीईओ बी एस मंडावी, तहसीलदार जुगल किशोर पटेल, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। शिविर में ×0 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शामिल हुए। शिविर में 2 ब'चों का अन्नप्राशन एवं 2 गर्भवती महिलाओं का गोद भराई की रश्म कराया गया। साथ ही विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। परिवहन विभाग द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस हेतु शिविर लगाया गया। इसके अलावा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और विभागों द्वारा स्टॉल लगाया गया। मोंगरा शिविर में कुल 96 आवेदन प्राप्त हुए, इनमें 81 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया।

लोकसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव 2025 महासमुंद में 24 एवं 25 दिसम्बर को

महासमुंद, 23 दिसंबर । लोकसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन आगामी 24 एवं 25 दिसम्बर' को जिला मुख्यालय महासमुंद में किया जा रहा है। इस दो दिवसीय खेल महोत्सव को सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराए जाने हेतु कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज शाम संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में शिक्षा विभाग, जिला पंचायत, आदिवासी विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे।कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव युवाओं में खेल भावना विकसित करने, प्रतिभाओं को मंच देने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि आयोजन के प्रत्येक पहलू पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि प्रतिभागियों एवं दर्शकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।बैठक में खेल मैदानों की तैयारी, पंजीयन व्यवस्था, खेल सामग्री की उपलब्धता, निर्णायकों की नियुक्ति, खिलाड़ियों के आवागमन, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधा, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को आयोजन स्थल पर एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम की व्यवस्था सुनिश्चित करने, वहीं पुलिस विभाग को सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिका एवं लोक निर्माण विभाग को खेल स्थलों की साफ-सफाई, मंच, बैठक व्यवस्था तथा आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण करने को कहा। साथ ही, शिक्षा एवं खेल विभाग को प्रतियोगिताओं के सुचारू संचालन, समय-सारिणी निर्धारण तथा प्रतिभागियों के समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई।

डिजिटल टोकन व्यवस्था से अब आसानी से हो रही है खरीदी

महासमुंद, 23 दिसंबर। महासमुंद जिले में सभी उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी का कार्य सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो रहा है। इसी क्रम में महासमुंद अंतर्गत ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित कनेकेरा (शेर) में धान उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से जारी है। समिति प्रबंधक श्री परमेश्वर यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि आज समिति में 29 किसानों द्वारा 1777 क्विंटल धान के लिए टोकन जारी किए गए। उन्होंने बताया कि अब तक समिति में कुल 561 किसानों द्वारा 31 हजार 438 क्विंटल धान का विक्रय किया जा चुका है। वहीं, उपार्जित धान में से 15,620 क्विंटल मोटा धान का उठाव भी सफलतापूर्वक किया जा चुका है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। भुगतान की प्रक्रिया भी सुरक्षित एवं भरोसेमंद है, जिससे किसानों का शासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है।धान उपार्जन की इस सुव्यवस्थित प्रक्रिया का लाभ ग्राम भलेसर निवासी किसान श्री

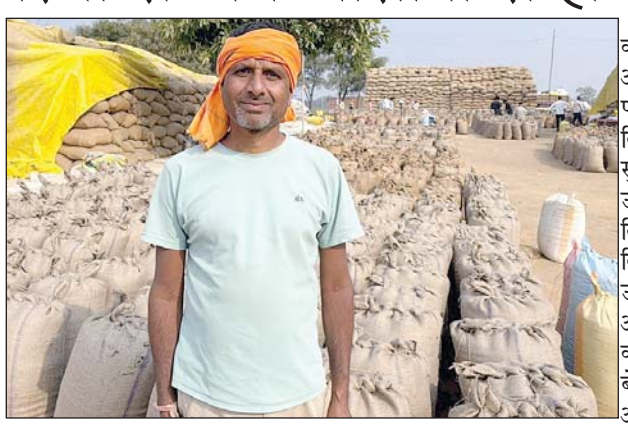

लाभाराम साहू को भी मिला है। श्री साहू ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से टोकन काटकर आज 80.80 क्विंटल धान का विक्रय किया। उनके पास कुल 8 एकड़ कृषि भूमि है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से उन्हें समय पर तौल, पारदर्शी प्रक्रिया और बिना किसी परेशानी के धान विक्रय की सुविधा मिली। इस सुविधा के लिए उन्होंने राज्य शासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है।इसी तरह ग्राम बकमा के किसान घनश्याम चंद्राकर ने बताया कि उनके पास 80 एकड़ भूमि है, उन्होंने अब तक 2000 क्विंटल धान का विक्रय कर लिया है। उन्होंने बताया कि धान बेचने की प्रक्रिया पूरी तरह सहज रही और विक्रय की राशि सीधे उनके खाते में समय पर प्राप्त हो गई। आगे भी शेष धान के विक्रय को लेकर वे पूरी तरह आश्वस्त हैं। वे किसानों को समय पर उनके परिश्रम का उचित मूल्य मिलने से खुश हैं।

सरकारी खरीदी व्यवस्था से बदली किसान बलवंत की तकदीर

धमतरी 23 दिसंबर । चालू खरीफ विपणन वर्ष में शासन द्वारा 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सुव्यवस्थित व्यवस्था किसानों के लिए भरोसे का माध्यम बन रही है। जिले के खरतुली ग्राम निवासी प्रगतिशील किसान श्री बलवंत मेश्राम की कहानी इस व्यवस्था की सफलता का जीवंत उदाहरण है, जहाँ सरकारी योजनाएँ सीधे किसान की समृद्धि से जुड़ती दिखाई देती हैं।

कृषक श्री मेश्राम ने इस वर्ष अपने 4.42 एकड़ खेत में उत्पादित 50 क्विंटल धान को नजदीकी धान उपार्जन केन्द्र में

समर्थन मूल्य पर बेचा। वे बताते हैं कि टोकन कटवाने से लेकर धान तौल और खरीदी तक की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध रही। उपार्जन केन्द्र में किसानों के लिए छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता ने उनकी संतुष्टि को और बढ़ाया। उन्होंने शासन द्वारा की गई इन व्यवस्थाओं की खुले दिल से प्रशंसा की।

श्री मेश्राम केवल धान उत्पादक ही नहीं, बल्कि फसल चक्र परिवर्तन को अपनाने वाले जागरूक किसान भी हैं। पिछले वर्ष उन्होंने 60 क्विंटल धान बेचा था, जिससे प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने कृषि सुधार, बीज, खाद एवं आधुनिक खेती तकनीकों में किया। इसका सकारात्मक परिणाम यह रहा कि उनकी खेती

चने की खेती से 36 हजार रुपए की अतिरिक्त आमदनी

रबी मौसम में वे चना की खेती को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 4 एकड़ में चना की खेती से लगभग 36 हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी हुई। चना की फसल कम लागत में बेहतर मुनाफा देती है, साथ ही इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और जल संरक्षण भी होता है। स्वयं के बोर की सुविधा होने से सिंचाई भी सुचारू रूप से हो पाती है।

श्री बलवंत मेश्राम की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि किसान सरकारी योजनाओं का सही उपयोग करें और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती करें, तो कृषि केवल जीविका नहीं बल्कि समृद्धि का सशक्त माध्यम बन सकती है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जैसी योजनाएँ किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1600 से अधिक परिवारों ने किया गृह प्रवेश'

- पूजा, विधि विधान के साथ पक्के आवासों में हुआ गृह प्रवेश
- अपने सपनों का घर पा कर ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिले

कोरबा 23 दिसम्बर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में आज खुशियों का माहौल देखने को मिला, जब 1610 पात्र ग्रामीण परिवारों ने अपने नव निर्मित पक्के आवासों में विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ गृह प्रवेश किया। वर्षों से पक्के मकान का सपना संजोए ग्रामीणों के लिए यह दिन यादगार बन गया। अपने स्वयं के घर की चैखट लांघते ही हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

जिला प्रशासन द्वारा शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निरंतर सुचारू कार्यप्रणाली, पारदर्शिता एवं समयबद्ध पूर्णता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि जिले में बड़ी संख्या में आवास निर्माण पूर्ण होकर आज गृह प्रवेश के रूप में साकार हुए हैं।

सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीब एवं वंचित परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सम्मान का आधार बन रही है। सभी जनपदों में आवास निर्माण की प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया गया है कि वे सतत फील्ड में रहकर मॉनिटरिंग करें तथा शेष आवासों को भी शीघ्र पूर्ण कराएं। जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण को प्राथमिकता में रखकर किए जा रहे कार्यों का परिणाम आज 1610 पूर्ण आवासों का सामूहिक गृह प्रवेश है। जनपद पंचायत करतला में 346 आवास,कटघोरा में 116आवास, कोरबा में 300 आवास,पोड़ी उपरोड़ा में 419 आवास और जनपद पंचायत पाली में 429 पक्के पूर्ण आवासों में ग्रामीण परिवारों के द्वारा आज गृह प्रवेश किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत कोरबा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री खगेश निर्मलकर द्वारा ग्राम पंचायत कुरूडीह के श्री दौलत राम एवं ग्राम पंचायत गोढ़ी के श्री लक्ष्मण यादव को श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर गृह प्रवेश कराया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से जिले के सुदूर अंचलों तक पक्के आवासों की पहुंच सुनिश्चित हो रही है, जिससे ग्रामीणों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है और वे सुरक्षित, सम्मानजनक आवास में जीवन यापन कर पा रहे हैं।

कृष्णधर गोयल को मिली अनुकम्पा नियुक्ति

कोरबा 23 दिसम्बर। दिवंगत शिक्षक (पंचायत) संवर्ग की कर्मचारी स्वर्गीय कुमारी विद्या गोयल के आश्रित सदस्य (भाई) श्री कृष्णधर गोयल को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। शुक्रवार को जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन कुमार सिंह के द्वारा श्री गोयल को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। अनुकम्पा नियुक्ति हेतु रिक्त पद पर श्री कृष्णधर गोयल, पिता श्री कार्तिकराम गोयल, निवासी ग्राम मुढ़ाली, पोस्ट जवाली, तहसील कटघोरा, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) को प्राथमिक शाला बम्हनीकोना (मुड़ापार), विकासखण्ड पाली, जिला कोरबा में पदस्थ किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिनेश कुमार नाग ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए नियमानुसार अनुकम्पा नियुक्ति आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति का उद्देश्य शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करना है, ताकि वह सम्मानपूर्वक आजीविका अर्जित कर सकें। नियुक्ति प्राप्त करने पर श्री कृष्णधर गोयल ने जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत के प्रति आभार व्यक्त किया है।

एक नजर

कैपिसिटी बिल्डिंग यूजिंग एआई टूल' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला 23 दिसम्बर को

रायपुर,23 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। क्षमता विकास आयोग, भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में 23 दिसम्बर को कैपिसिटी बिल्डिंग यूजिंग एआई टूल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला ट्रिपल आईटी नवा रायपुर में सवेरे 10 बजे से प्रारंभ होगी। कार्यशाला में क्षमता विकास आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती एस राधा चौहान, छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव श्री विकास शील, अकादमी के महानिदेशक श्री सुब्रत साहू उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, कृषि, स्वास्थ्य, गृह, परिवहन विभाग के प्रतिनिधि के साथ ही मिशन कर्मयोगी के नोडल अधिकारी तथा संबंधित विभाग से एक तकनीकी अधिकारी शामिल होंगे।

जिले में 22 दिसंबर तक किसानों से 679976.80 क्विंटल धान की खरीदी

कोरबा 23 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2025-26 में जिले के 65 धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से किसानों में हर्ष व्याप्त है। धान खरीदी केंद्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों की उपज खरीदी के लिए ऑनलाइन टोकन वितरण, बारदाने की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से तौलाई, शीघ्रता से भुगतान आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। जिले में 52 हजार से अधिक किसान धान विक्रय के लिए पंजीकृत है। जिले में 22 दिसम्बर तक 679976.80 क्विंटल गुणवत्तायुक्त धान पंजीकृत किसानों से खरीदी की गई है। जिला प्रशासन द्वारा समितियों से धान का उठाव भी शीघ्रता से कराया जा रहा है। कोरबा जिले में अब तक 440158 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। जिला प्रशासन द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों एवं संवदेनशील धान खरीदी केन्द्रो से प्राथमिकता से धान का उठाव किया जा रहा है। जिससे किसानों को धान बेचने में परेशानी न हो। साथ ही किसानो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संग्रहण केन्द्रों की व्यवस्था एवं समितियों में धान की स्टैकिंग कराकर स्थान बनाया गया है।

किसानों की आय बढ़ाने में सरकार की सराहनीय पहल

कोरबा 23 दिसम्बर। राज्य के किसानों के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 एक भरोसे और संतोष का वर्ष बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लागू की गई धान खरीदी व्यवस्था ने किसानों को यह विश्वास दिलाया है कि उनकी मेहनत का पूरा और उचित मूल्य उन्हें निश्चित रूप से मिलेगा। सरल, पारदर्शी और सुव्यवस्थित प्रक्रिया के कारण किसान बिना किसी तनाव और परेशानी के अपना धान उपार्जन केंद्रों में विक्रय कर पा रहे हैं। उच्चतम समर्थन मूल्य पर समयबद्ध खरीदी, टोकन आधारित व्यवस्था तथा उपार्जन केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं ने किसानों के अनुभव को सहज और सम्मानजनक बना दिया है। इसी क्रम में ग्राम गढ़ उपरोड़ा के किसान श्री असमान्त सिंह ने राज्य सरकार की धान खरीदी व्यवस्था से संतुष्टि व्यक्त की है। श्री सिंह के पास कुल 06 एकड़ कृषि भूमि है। वे इस वर्ष 40 क्विंटल धान लेकर सोनपुरी उपार्जन केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने सहज एवं व्यवस्थित तरीके से अपना धान विक्रय किया। श्री सिंह ने बताया कि उन्होंने समिति से पहले ही टोकन प्राप्त कर लिया था, जिससे उपार्जन केंद्र पर किसी प्रकार की भीड़ या अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ा। केंद्र पर तौल, पंजीयन एवं भुगतान से संबंधित सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध और पारदर्शी रहीं। किसानों के बैठने, छाया, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था होने से उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हुई। उन्होंने कहा वे एक बार फिर अपना धान विक्रय के लिए उपार्जन केंद्र आएंगे। उन्होंने धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था और किसान-हितैषी नीतियों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह पहल किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर शीघ्रता से निराकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी दूरस्थ व वनांचल क्षेत्र के लोगों की समस्याएँ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोरबा 23 दिसम्बर। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन के दौरान जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरण अनुसार आवेदन प्रेषित करते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

जनदर्शन में नागरिकों ने बारी-बारी से अपनी समस्याएँ कलेक्टर के समक्ष रखीं। करतला विकासखण्ड के ग्राम घिनारा निवासी किसान श्री कोमल सिंह राठिया द्वारा धान विक्रय हेतु फौती नामांतरण से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कलेक्टर को जानकारी देते हुए बताया कि कुछ समय पूर्व उनके पिता श्री मनराम राठिया का निधन हो गया है, किंतु दस्तावेजों में भूमि अब भी उनके पिता के नाम दर्ज होने के कारण उन्हें धान विक्रय में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर श्री दुदावत ने प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए आवेदन करतला तहसीलदार को प्रेषित कर जांच उपरांत आवश्यक कार्यवाही करते हुए किसान को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार आवेदक निर्दोष कुमार कंवर द्वारा मानदेय भुगतान संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि वे अगस्त 2025 से पंचायत की सर्वसम्मति से कोरबा के प्राथमिक शाला दरगा में मानदेय शिक्षक के रूप में सेवाएँ दे रहे हैं, किंतु अब तक उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन का परीक्षण कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। पाली तहसील के ग्राम लोहड़िया निवासी श्रीमती नीरा बाई, पति श्री कुशाल सिंह द्वारा रकबा संशोधन से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि शासन से प्राप्त वनाधिकार पट्टा अंतर्गत उनकी कुल भूमि 0.809 हेक्टेयर है, जिस पर धान की फसल लगाई गई है, किंतु गिरदावरी में फसल प्रविष्टि के दौरान रकबा शून्य दर्ज हो जाने के कारण उपज विक्रय में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रकरण को संवेदनशीलता से लेते हुए कलेक्टर ने जिला खाद्य अधिकारी एवं तहसीलदार पाली को आवेदन की शीघ्र जांच कर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिला खाद्य अधिकारी को वनाधिकार पट्टा धारक किसानों के धान विक्रय में आ रही समस्याओं का निराकरण कर धान विक्रय में आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में मुआवजा वितरण, सीमांकन, नामांतरण, बटांकन, पेंशन भुगतान, अतिक्रमण व कब्जा हटवाने, पट्टा प्रदान करने, अधूरे निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने, राखड़ डंपिंग की समस्या सहित अन्य समस्याओं के कुल 62 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री दुदावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल व ओंकार यादव, शिक्षा, कृषि, आदिम जाति विकास, समाज कल्याण सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

शासन की संवेदनशील पहल : दिव्यांग मुकेश यादव को मिली मोटराइज्ड ट्राइसिकल

रायपुर, 23 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा प्रत्येक जरूरतमंद तक शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार प्रभावी एवं संवेदनशील प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को जिला कार्यालय कोण्डागांव में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम बफना निवासी दिव्यांग युवक श्री मुकेश यादव को मोटराइज्ड ट्राइसिकल प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि श्री मुकेश यादव अपनी समस्या लेकर जिला कार्यालय पहुंचे थे। उनकी शारीरिक स्थिति एवं दैनिक जीवन में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती पन्ना ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उप संचालक श्रीमती ललिता लकड़ा को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए मोटराइज्ड ट्राइसिकल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा त्वरित प्रक्रिया अपनाते हुए श्री यादव को मोटराइज्ड ट्राइसिकल प्रदाय किया गया। इसके साथ ही पात्रता के अनुसार उन्हें दिव्यांगता पेंशन योजना का लाभ भी प्रदान किया जाएगा, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा। मोटराइज्ड ट्राइसिकल मिलने से अब उन्हें दैनिक आवश्यक कार्यों के साथ-साथ आवागमन में भी सुविधा प्राप्त होगी। मुकेश यादव वर्तमान में आईटीआई के छात्र हैं और छात्रावास में रहकर अध्ययनरत हैं। उन्होंने बताया कि अब उन्हें आईटीआई आने-जाने एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने इस त्वरित सहायता के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

एसटी, एससी व ओबीसी वर्ग के छात्रों से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन की तिथि बढ़ी

कोरबा 23 दिसम्बर। जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं डाईट आदि के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं संस्थान में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो राज्य शासन द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, तथा संस्थाओं के प्राचार्योध्संस्था प्रमुखों, छात्रवृत्ति प्रभारियों को सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण कार्यवाही वेबसाइट ीजजचरूध्ध्चवेजउंजतपब-बीवसंतेपच.बह.दपब.पद पर ऑनलाईन की जा रही है की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025-26 छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदनध्पंजीयन हेतु अंतिम तिथि 15 जनवरी 2025 तक, संस्थाओं द्वारा प्रपोजल लाक कर सहाय आयुक्त आदिवासी विकास को प्रेषित करने की तिथि 05 फरवरी 2026, शासकीय संस्थाध्जिला कार्यालय द्वारा सेन्शन आर्डर लाक करने की तिथि 08 फरवरी, जिला कार्यालय द्वारा भुगतान हेतु राज्य कार्यालय को प्रेषित करने की तिथि 10 फरवरी और छात्रवृत्ति भुगतान करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है।सहायक आयुक्त ने बताया कि निर्धारित तिथि के पश्चात् शिक्षा सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाईन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा। निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख जिम्मेदार होंगे। छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है।

राज्य युवा महोत्सव में 14 सांस्कृतिक व साहित्यिक विधाओं में 3000 युवा अपनी प्रतिभा दिखाएंगे

रायपुर, 23 दिसंबर। राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 23 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक बिलासपुर के राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में राज्य युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 23 दिसम्बर को इसका शुभारंभ करेंगे। महोत्सव में 14 सांस्कृतिक और साहित्यिक विधाओं में प्रदेश के 3000 युवा अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। शुभारंभ समारोह में छत्तीसगढ़ की मेजबानी में होने वाले पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की लॉन्चिंग भी की जाएगी। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता करेंगे। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। राज्यपाल श्री रमेन डेका 25 दिसम्बर को समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ के युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने, उनकी प्रतिभा को निखारने तथा राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करने राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2026 के तारतम्य में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 14 विधाओं में प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें आठ दलीय विधाएं और छह 6 एकल विधाएं शामिल हैं। दलीय विधाओं में लोकनृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा, सुआ नृत्य, करमा नृत्य, लोकगीत, रॉक बैंड और एकांकी की प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं एकल विधाओं में वाद-विवाद, कहानी लेखन, चित्रकला, कविता लेखन, नवाचार (साइंस मेला) और पारंपरिक वेशभूषा शामिल हैं। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं की पांच विधाओं लोकनृत्य, लोकगीत, वाद-विवाद, चित्रकला और कविता लेखन के विजेता प्रतिभागी नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव-2026 में छत्तीसगढ़ की ओर से भागीदारी करेंगे।

राज्य युवा महोत्सव में दलीय विधाओं में प्रथम स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को 20 हजार रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को 15 हजार रुपए एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को 10 हजार रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। एकल विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 5 हजार रुपए, 3 हजार रुपए एवं 2 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे। महोत्सव में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक-एक हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

किरंदुल-बचेली के एकमात्र मुक्तिधाम का जीर्णोद्धार शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल/बचेली 23 दिसंबर। औद्योगिक नगर किरंदुल-बचेली के इतिहास में एक भावनात्मक और ऐतिहासिक क्षण जुड़ गया है। वर्षों से उपेक्षित और जर्जर स्थिति में पड़े किरंदुल- बचेली के एकमात्र मुक्तिधाम का जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ हो गया है। यह बहुप्रतीक्षित कार्य आर्सेलर मित्तल निप्पन एंड स्टील कंपनी द्वारा सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के तहत कराया जा रहा है। किरन्दुल बचेली के एक मात्र मुक्तिधाम में बैठने, छाया, पानी, रास्ता और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाओं का लंबे समय से अभाव था। अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील समय में नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नगर पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी ने जनभावनाओं को समझते हुए इस विषय को प्राथमिकता दी। उन्होंने कंपनी प्रबंधन से पत्राचार कर सहयोग मांगा, जिसे कंपनी ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। सीएसआर के तहत

सर्व-सुविधायुक्त मुक्तिधाम का निर्माण कंपनी द्वारा मुक्तिधाम के सम्पूर्ण जीर्णोद्धार से नागरिकों को सम्मानजनक वातावरण सुरक्षित वाहन पार्किंग सुव्यवस्थित मार्ग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। नगरवासियों में खुशी, जताया आभार मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार शुरू होते ही नगर में खुशी की लहर है। पत्रकारों, सामाजिक संगठनों, आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने नगर पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी एवं आर्सेलर मित्तल निप्पन एंड स्टील कंपनी का आभार व्यक्त किया। नगरवासियों का कहना है कि जब जनप्रतिनिधि संवेदनशील हों और उद्योग सामाजिक दायित्व निभाएं, तभी सच्चा विकास संभव होता है। यह परियोजना केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त उदाहरण है।

सिपेट और अप्पू गार्डन भ्रमण से विद्यार्थियों का बौद्धिक व मानसिक विकास, गणित मेले में नन्हे वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

सरस्वती शिशु मंदिर दर्री में किया गया शैक्षणिक भ्रमण,मनोरंजक पिकनिक एवं गणित मेले का आयोजन

कोरबा 23 दिसम्बर। सरस्वती शिशु मंदिर एचटीपीपी दर्री में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यावहारिक ज्ञान तथा बौद्धिक क्षमता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण, पिकनिक एवं गणित मेले का सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक जीवन से जुड़ी जानकारियां प्राप्त करने का अवसर मिला।

विद्यालय के माध्यमिक, उच्च एवं उच्चतर विभाग के कक्षा षष्ठम से एकादश तक के भैया-बहनों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु सिपेट (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) ले जाया गया। इस भ्रमण के दौरान श्री रजनीश पांडे के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को पेट्रोकेमिकल, पॉलिमर एवं प्लास्टिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि सिपेट की स्थापना वर्ष 1968 में भारत सरकार द्वारा की गई थी तथा यह रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अंतर्गत संचालित एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान प्लास्टिक उद्योग के लिए आवश्यक तकनीकी ज्ञान, कौशल विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न आधुनिक मशीनों को देखा और यह जाना कि किस प्रकार प्लास्टिक को विभिन्न आकार देकर दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाई जाती हैं। साथ ही उन्हें यह जानकारी भी दी गई कि प्लास्टिक पूर्णतः नष्ट नहीं होता, बल्कि उसे पुनर्चक्रण के माध्यम से दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। सिपेट में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग की प्रक्रिया को देखकर विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी विकसित हुई। इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यालय के प्राचार्य, समस्त आचार्यगण एवं सहयोगीगण उपस्थित रहे।

इसी क्रम में विद्यालय के प्राथमिक विभाग के कक्षा प्रथम से पंचम तक के विद्यार्थियों को मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक पिकनिक हेतु अप्पू गार्डन, कोरबा ले जाया गया। इस भ्रमण में सरस्वती शिक्षा संस्थान से श्री कीर्ति कुमार अग्रवाल, प्राथमिक विभाग के सभी कक्षाचार्य एवं सहयोगी श्री कृष्णा वैष्णव सम्मिलित हुए। बच्चों ने विभिन्न खेलों, झूलों एवं गतिविधियों का आनंद लेते हुए आपसी सहयोग, अनुशासन एवं सामाजिक व्यवहार का अनुभव प्राप्त किया। पिकनिक के दौरान बच्चों के चेहरों पर उत्साह और प्रसन्नता स्पष्ट दिखाई दी।

इसके अतिरिक्त प्रति वर्ष की भांति भारत के महान गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन के जन्मदिवस 22 दिसंबर के अवसर पर विद्यालय परिसर में गणित मेला आयोजित किया गया।

बरसात में मार्ग अवरुद्ध होने की समस्या से मिलेगी स्थायी राहत

रायपुर,23 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन के दो वर्षों के भीतर छत्तीसगढ़ में आधारभूत ढांचे को सशक्त करने की दिशा में लगातार ऐतिहासिक निर्णय लिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिले को बड़ी सौगात देते हुए बरसात के मौसम में मार्ग अवरुद्ध होने और गांवों का संपर्क टूटने की वर्षों पुरानी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रदेश सरकार ने जशपुर जिले में 22 उच्चस्तरीय पुलों के निर्माण के लिए 109 करोड़ 09 लाख रुपये तथा 215 छोटे पुल-पुलिया निर्माण के लिए 20 करोड़ 93 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इन निर्माण कार्यों से जिले के ग्रामीण, वनांचल एवं दूरस्थ क्षेत्रों में वर्षभर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित होगा और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की स्वीकृति से जिले के प्रमुख मार्गों पर उच्चस्तरीय पुलों का निर्माण किया जाएगा, जिनमें केराकोना-बैगाटोली, चलनी-परसाडीपा, अलोरी-मतलोगा, जशपुर-सन्ना, जशपुर नगर मुख्य मार्ग, बगीचा-आरा, बगीचा-रेंगले, कलीबा-टांगरबहार, बांसापतरा-दुलदुला, गुलझरिया-बम्हनी, कुनकुरी-रनपुर, भालुमुंडा-खजूरखाट, बोडाझापर-चटकपुर, धौरासांड-दाइजबहार, डुमरबहार-तमता, घुघरी-ढोढरअम्बा, कोतबा-लवाकेरा सहित दुलदुला क्षेत्र के विभिन्न मार्ग शामिल हैं। इन पुलों के निर्माण से नदी-नालों पर निर्भर मार्गों में वर्षभर सुगम और सुरक्षित आवागमन संभव हो सकेगा।इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने गांव-टोला और पारा को मुख्य मार्गों से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में 215 छोटे पुल-पुलिया निर्माण को भी स्वीकृति दी है। इन कार्यों पर 20 करोड़ 93 लाख रुपये की लागत आएगी। इससे किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों और आम नागरिकों को खेतों, बाजारों, स्कूलों, अस्पतालों और पंचायत मुख्यालयों तक हर मौसम में आसान पहुंच मिलेगी।

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202512092200055

विषय:- अ-74
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन्:- 2025-2026

बधियाटोला प.ह.न. 00023
[471/1(0.0240 हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- मनसुख,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनसुख पिता शान्तिलाल जाति कंवर सा. वार्ड नम्बर 08 बधियाटोला, डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा ग्राम बधियाटोला प.ह.न. 23 तहसील डोंगरगढ़ स्थित खाता क्रमांक 665 में ख.न. 471/1 रकबा 0.0240 हे. भूमि मनसुख पिता शांतिलाल जाति कंवर सा. बधियाटोला के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त कृषि भूमि का मूल ऋण पुस्तिका कही गुम हो गई है जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस थाना डोंगरगढ़ में दर्ज किया गया है। अतः उक्त भूमि का डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदान किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय शपथ पत्र की छाया प्रति, बी-1, एवं चालान आदि की छायाप्रति संलग्न है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 26/12/2025 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/12/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
डोंगरगढ़

न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक रामविलास यदु पिता भुवनराम निवासी गाड़ाडीह तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरी पुत्री मीनाक्षी यदु पिता रामविलास यदु का जन्म दिनांक 20.01.2014 को ग्राम गाड़ाडीह तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक रामविलास यदु पिता भुवनराम निवासी गाड़ाडीह तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 02/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/12/2025 को जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
पाटन, जिला दुर्ग(छ.ग.)

बांग्लादेश हिंसा : तड़के 4 बजे राजधानी में छापेमारी, हड़कंप

1, 000 से ज्यादा बाहरी लोगों की पहचान, 100 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में

रायपुर, 23 दिसंबर। बांग्लादेश में जारी हिंसा के मद्देनजर राजधानी रायपुर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने 'ऑपरेशन समाधान' के तहत सरप्राइज चेकिंग अभियान शुरू किया, जिसमें 1,000 से अधिक बाहरी लोगों की तस्दीकी की गई और 100 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने मोवा, खमतराई, टिकरापारा, उरला और सिविल लाइन क्षेत्रों में छापेमारी की। अभियान के दौरान अधिकांश संदिग्ध ऑटो चालक और मजदूरी करने वाले पाए गए और

असामाजिक तत्वों ने आज राजधानी की सड़कों पर बांग्लादेश का झंडा चिपका दिया।

उन्हें पुलिस लाइन में लाया गया।

अधूरे दस्तावेज, मोबाइल तकनीकी जांच जारी : जांच में पता चला कि कई लोगों के दस्तावेज अधूरे थे और उनके मोबाइल नंबरों की तकनीकी जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में कुछ संदिग्धों का पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश बॉर्डर से जुड़े होने का शक जताया गया है। अभियान में एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह की मौजूदगी में सुबह 4 बजे से कार्रवाई शुरू हुई। पुलिस ने कहा कि यह कदम राजधानी में सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित घुसपैठियों की पहचान के उद्देश्य से उठाया गया है।

24 को छत्तीसगढ़ बंद का ऐलान

धर्मांतरण और हमले के विरोध में सर्व आदिवासी समाज करेगा प्रदर्शन, सीसीसीआई ने दिया समर्थन

रायपुर, 23 दिसम्बर। कांकेर जिले के क्षेत्र अंतर्गत बड़े तेवड़ा गांव में धर्मांतरित व्यक्ति के शव दफ्न को लेकर हुए विवाद के बाद सर्व समाज छत्तीसगढ़ ने 24 दिसंबर को प्रदेश बंद की घोषणा की है। इस घोषणा को छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा कैट ने भी समर्थन दिया है. दरअसल, प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी की अध्यक्षता में सोमवार को प्रदेश कार्यालय में व्यापारिक संगठनों और चैंबर पदाधिकारियों की एक अहम बैठक हुई. इस बैठक में कांकेर जिले के आमाबेड़ा में मिशनरियों द्वारा स्थानीय जनजाति समाज पर किए गए योजनाबद्ध हमले और स्थानीय प्रशासन के भेदभावपूर्ण रवैये पर पदाधिकारियों ने गहरा रोष व्यक्त किया. पूर्व विधायक एवं चैंबर संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी ने इस घटना को दर्दनाक बताया और कहा कि धर्मांतरण की बढ़ती घटनाएं प्रदेश की शांति के लिए खतरा हैं. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि इस घटना के विरोध में सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करेंगे.

सर्व समाज के छत्तीसगढ़ बंद को कैट का समर्थन

सर्व समाज द्वारा 24 दिसम्बर 2025 को छत्तीसगढ़ बंद के आह्वान के संदर्भ में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स छत्तीसगढ़ चैप्टर ने विषय की व्यापकता एवं संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए आज प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक संगठनों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में उपस्थित सभी व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से बंद का समर्थन किए जाने पर अपनी सहमति दर्ज कराई। इसी के आधार पर कैट छत्तीसगढ़ ने बंद के प्रति अपना नैतिक समर्थन प्रदान करने की घोषणा की है। व्यापारी समाज सदैव राष्ट्रहित एवं समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए रचनात्मक एवं सकारात्मक सहयोग प्रदान करता रहेगा।

20,000 से ज्यादा किसानों को बनाया सशक्त

रायपुर, 23 दिसम्बर। किसान जीवन का आधार हैं, लेकिन आज भी उन्हें नई तकनीक और बेहतर खेती के तरीकों की जानकारी की जरूरत है। कई बार खेती में पैदावार कम होती है, पानी और मिट्टी की सही देखभाल नहीं हो पाती, और आधुनिक तरीके अपनाने में मदद की कमी रहती है। ऐसे में जब किसान सही जानकारी, प्रशिक्षण और नई तकनीक के साथ खेती करें, तो उनकी पैदावार बढ़ती है, लागत कम होती है और आय में सुधार होता है। इसी सोच के साथ वेदांता एल्युमीनियम ने ओडिशा और छत्तीसगढ़ में 20,000 से ज्यादा किसानों को टिकाऊ खेती, जल प्रबंधन, मिट्टी की देखभाल और आय बढ़ाने के तरीकों की ट्रेनिंग देने की पहल की है, जिसकी प्रगति के बारे में कंपनी ने राष्ट्रीय किसान दिवस पर बताया। यह प्रयास किसानों को ज्यादा पैदावार, कम खर्च और मजबूत आजीविका देने में मदद करता है। लाभ लेने वाले किसानों में 12,000 से अधिक महिलाएँ और 8,000 से अधिक पुरुष शामिल हैं। इन पहलों से किसानों की रोज़मर्रा की खेती आसान और उत्पादक बनती है।

नेवनारा के ग्रामीणों ने किया स्पंज आयरन फैक्ट्री का विरोध

रायपुर, 23 दिसम्बर। ग्राम नेवनारा में प्रस्तावित अहर्म स्पंज आयरन कंपनी के खिलाफ आज अपेन साथ सैकड़ों ग्रामीणों एवं किसानों को लेकर पहुँचे और एकजुट होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस जनआंदोलन में भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में किसान, ग्रामीण, महिलाएँ और युवा शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान जय जवान - जय किसान, पर्यावरण बचाओ-खेती बचाओ जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

जनसुनवाई में भाजपा किसान नेता ने दर्ज कराया विरोध भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी जनसुनवाई में शामिल हुए और प्रस्तावित ईस्पज आयरन कंपनी के विरुद्ध अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अहरम ईस्पंज आयरन कंपनी यदि ग्राम नेवनारा में खुलती है, तो इसका सीधा और गंभीर प्रभाव यहाँ के पर्यावरण, कृषि भूमि और किसानों की आजीविका पर पड़ेगा।

उन्होंने घोषणा की कि मैं इस विषय को लेकर मुख्यमंत्री को मिलकर भी निवेदन करुगां कि ये पलांट ना लगे और आग्रह करूँगा कि इस क्षेत्र में ऐसी कोई भी प्रदूषण वाले प्लांट कंपनी स्थापित न की जाए जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुँचे। नेवनारा की जमीन उपजाऊ है, इसे बर्बाद नहीं होने देंगे – योगेश तिवारी ने कहा– बेमेतरा नेवनारा और आसपास का पूरा क्षेत्र आज भी स्वच्छ, हरा-भरा और प्रदूषणमुक्त है। यहाँ धान, गेहूँ, चना सहित अनेक प्रकार की फसलें होती हैं। यह क्षेत्र बेमेतरा जिले की कृषि रीढ़ है। अगर आयरन कंपनी खुलती है, तो प्रदूषण बढ़ेगा, जलस्तर गिरेगा, मिट्टी की उर्वरता नष्ट होगी और किसानों की पीढ़ियों की मेहनत पर पानी फिर जाएगा।

एक नजर

गीताली गुप्ता ने क्लैट में एआईआर 1 हासिल किया

रायपुर, 23 दिसम्बर। गीताली राजस्थान के श्रीगंगानगर की रहने वाली गीताली गुप्ता ने क्लैट में एआईआर 1 हासिल की है। अपनी सफलता पर सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए गीताली ने कहा, मेरे माता-पिता ने मुझे बचपन से अनुशासन सिखाया, और लीगल एज के 'वॉरियर्स गोल्ड बैच' ने उस अनुशासन को सही दिशा दी। मैंने अपनी तैयारी के दौरान निरंतरता पर सबसे अधिक जोर दिया।

समृद्धि हासिल करने भारत को सांस्कृतिक मूल्यों में फिर से निवेश करना होगा

रायपुर, 23 दिसंबर। नवाचार, आत्मनिर्भरता और समृद्धि विषय पर आधारित दो दिवसीय वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम (डब्लू एच इ एफ) 2025 का औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार को मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने किया। उद्घाटन सत्र में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, डब्लू एच इ एफके संस्थापक स्वामी विज्ञानानंद, आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश शर्मा, हरि मोहन बांगुर, चेयरमैन, सीमेंट लिमिटेड तथा सज्जन जिंदल, चेयरमैन, जेएसडब्ल्यू ग्रुप सहित देश के प्रमुख उद्योगपति, नीति-निर्माता, स्टार्टअप संस्थापक, बिजनेस लीडर्स और निवेशक उपस्थित रहे।उद्घाटन दिवस का एक प्रमुख आकर्षण हरि मोहन बांगुर का संबोधन रहा। उन्होंने भारत की प्रतिभा, संसाधनों और प्रौद्योगिकी में निहित अंतर्निहित शक्ति पर बल देते हुए कहा कि नेतृत्व या प्रेरणा के लिए देश को बाहर देखने की आवश्यकता नहीं है।

निधन

कौशिल्या देवी शुक्ला

रायपुर, 23 दिसम्बर। स्थानीय शांति विहार कॉलोनी, डंगनिया निवासी श्रीमती कौशिल्या देवी शुक्ला का (93) की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। वे सुनील शुक्ला, वरिष्ठ अधिवक्ता व महामाया देवी सार्वजनिक ट्रस्ट के ट्रस्टी उपेन्द्र शुक्ला, सतीश, संजय, सुषमा शुक्ला व साधना शर्मा की माता थीं। उनका अंतिम संस्कार आज किया गया।

बिन्दा बाई साहू

रायपुर, 23 दिसंबर। राजातालाब निवासी श्रीमती बिन्दा बाई साहू का सोमवार को रात निधन हो गया। वे शरद कुमार साहू की पत्नी तथा 'छत्तीसगढ़' अखबार के वरिष्ठ कर्मी भरत भूषण की मां व निधि, सृष्टि पियूष की दादी थीं। उनका अंतिम संस्कार दोपहर देवेन्द्र नगर मुक्तिधाम में किया गया।

ऊषा कौशल

रायपुर, 23 दिसम्बर। वरिष्ठ पत्रकार प्रियंका कौशल की माता जी श्रीमती ऊषा कौशल (76) का 23 दिसम्बर को देवलोकगमन हो गया है। अंतिम यात्रा दोपहर 12 बजे कचना रोड़ स्थित राजीव लोचन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी (ऐश्वर्या किंगडम के सामने) से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम जाएगी। वे ऋतुराज कौशल, अशोक कौशल, आनंद कौशल की मां और विशाल यादव की सास थीं।

अंतर्राज्यीय पैंगोलिन तस्कर गिरोह का भंडाफोड़

रायपुर, 23 दिसम्बर। वन विभाग को वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध बड़ी सफलता मिली है। अंतर्राज्यीय पैंगोलिन तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक जीवित पैंगोलिन (सालखपरी) में बरामद किया गया है।

यह कार्रवाई वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण पांडेय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व रायपुर श्रीमती सतोविशा समाजदार तथा उपनिदेशक उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व गरियाबंद वरुण जैन के मार्गदर्शन में की गई। वाइल्ड लाइफ जस्टिस कमीशन इंडिया से प्राप्त सूचना के आधार पर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की एंटी-पोचिंग टीम और ओडिशा के नवरंगपुर वनमंडल की संयुक्त टीम ने यह अभियान चलाया।

विगत 7 दिसंबर को उमरकोट के समीप ढोर्रा और सिमलीगोदरा के बीच घेराबंदी कर दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक जीवित पैंगोलिन बरामद किया गया, जिसकी लंबाई लगभग 40 इंच और वजन 9 किलोग्राम है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोपाल (42 वर्ष, निवासी सिमलीगोदरा, ओडिशा) और मनोज (30 वर्ष, निवासी मलकीगुड़ा, ओडिशा) के रूप में हुई है। ओडिशा वन विभाग द्वारा पैंगोलिन तथा तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल (स्कूटी) को जब्त कर जप्तीनामा तैयार किया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की संबंधित धाराओं के तहत वन अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों को उमरकोट न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। इस सफल कार्रवाई में गरियाबंद पुलिस साइबर सेल, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की एंटी-पोचिंग टीम, वाइल्ड लाइफ जस्टिस कमीशन इंडिया तथा नवरंगपुर (ओडिशा) वनमंडल के स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बचपन की यादों में लौट गए दादा-दादी

रायपुर, 23 दिसम्बर। रायपुर शहर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित किया जाने वाला भावनात्मक एवं आनंदमय आयोजन जीना इसी का नाम है इस वर्ष अपने 10 गौरवशाली वर्षों को पूर्ण कर रहा है। यह विशेष कार्यक्रम आर्टिस्टिकवाइब फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें रायपुर के विभिन्न वृद्धाश्रमों से आए दादा-दादी शामिल होते हैं।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके बचपन की सुनहरी यादों से दोबारा जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान दादा-दादी पुराने किस्से साझा करते हैं, बचपन के खेल खेलते हैं, अपने समय की चॉकलेट्स व टॉफियों का आनंद लेते हैं और एक बार फिर खुद को बच्चों जैसा महसूस करते हैं। पिछले 10 वर्षों से जीना इसी का नाम है केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सम्मान, अपनापन और खुशियों का उत्सव बन चुका है। आर्टिस्टिकवाइब फाउंडेशन का मानना है कि बुजुर्ग समाज की नींव होते हैं और उनके साथ समय बिताना, उनकी मुस्कान बनना ही इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, मनोरंजक

गतिविधियाँ, खेल एवं संवाद के माध्यम से दादाङ्कदादी को ऐसा माहौल दिया जाता है, जहाँ वे खुद को अकेला नहीं बल्कि एक बड़े परिवार का हिस्सा महसूस करते हैं।

राज्य कर्मचारियों को मिलेगा करोड़ों का निशुल्क बीमा कवर

रायपुर, 23 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के नियमित शासकीय कर्मचारियों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य शासन और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच स्टेट गवर्नमेंट सैलरी पैकेज को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस एमओयू के तहत एसबीआई में वेतन खाता रखने वाले कर्मचारियों को करोड़ों रुपये का बीमा कवर पूरी तरह नि:शुल्क मिलेगा। एमओयू के अनुसार कर्मचारियों को एक करोड़ रुपए का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, एक करोड़ 60 लाख रुपए का हवाई दुर्घटना बीमा, एक करोड़ रुपए का स्थायी पूर्ण दिव्यांगता बीमा, 80 लाख रुपए का आंशिक दिव्यांगता बीमा और 10 लाख रुपए का समूह जीवन बीमा दिया जाएगा। खास बात यह है कि इन सभी बीमा सुविधाओं के लिए कर्मचारियों को कोई अतिरिक्त प्रीमियम नहीं देना होगा। इसके अलावा एसबीआई रुपे कार्ड पर 1 करोड़ रुपए के बीमा कवर में अतिरिक्त 10 लाख रुपए का लाभ भी मिलेगा। स्वास्थ्य बीमा टॉप-अप जैसी सुविधाएँ रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए लगातार ठोस फैसले ले रही है। एसबीआई के साथ यह एमओयू कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि यह समझौता कर्मचारियों को आर्थिक जोखिम से बचाने की दिशा में अहम पहल है।

अलग-अलग कार्य करने से संगठन की एकजुटता हो रही प्रभावित : बंजारे

रायपुर, 23 दिसम्बर। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने रायपुर जिले के सभी नगरीय निकायों एवं पंचायतों के जिम्मेदार पदाधिकारियों को विस्तृत पत्र लिखकर स्पष्ट निर्देश जारी जारी करते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को सूचित किया गया है कि जहां-जहां कांग्रेस के समर्पित महापौर, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत अथवा जनपद पंचायत के जिम्मेदार पदाधिकारी सत्ता में हैं, वहां जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एजेंडे में शामिल किया जाए तथा विकास कार्यों को प्रभावी एवं त्वरित ढंग से लागू करवाया जाए। वहीं जहां कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में है, वहां जनता से जुड़े मुद्दों को पुरजोर तरीके से सदन में उठाया जाए, साथ ही भ्रष्टाचार, अनियमितताओं एवं जनविरोधी निर्णयों को बिना किसी संकोच या भय के उजागर किया जाए तथा जनता की आवाज को बुलंद किया जाए। कांग्रेस जिला अध्यक्ष बंजारे ने रायपुर जिले मैं अपने संगठनात्मक दौरे मैं यह देखने को मिला है कि कई स्थानों पर कांग्रेस के पार्षद एवं पंचायत सदस्य व्यक्तिगत रूप से या अलग-अलग होकर कार्य कर रहे हैं, जिससे संगठन की एकजुटता प्रभावित हो रही है। इन सभी को संगठित एवं एकजुट करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे ताकि कांग्रेस का संगठन और अधिक सशक्त बने, आपसी समन्वय बढ़े तथा जनहित एवं पार्टी हित में अधिक प्रभावी एवं बेहतर कार्य किया जा सके।

राजनीतिक बयानबाजी — **छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक अध्यक्ष एवं भाजपा नेता केदारनाथ गुप्ता ने दी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के वक्तव्य पर प्रतिक्रिया**

'बघेल पहले इतिहास को अच्छी तरह पढ़ें और फिर कोई राय जाहिर करें'

रायपुर, 23 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता केदारनाथ गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के वक्तव्य पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पता नहीं कांग्रेस पार्टी कौन-सा इतिहास पढ़कर अपने नेताओं को राजनीति में लाती है? श्री गुप्ता ने तंज कसते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल का कहना है कि जब देश में मुगल शासन था तब भी हिंदू खतरे में नहीं था। बघेल यह बताएं कि सोमनाथ मंदिर को किसने लूटा? मोहम्मद गौरी मोहम्मद गजनबी कौन था? बाबरी मस्जिद का फैसला अभी सुप्रीम कोर्ट से हमने जीता जिसके नीचे भगवान रामलला का मंदिर था। यह बाबर कौन था? कितनी ही रानी एवं महिलाओं को राजस्थान में जौहर करना पड़ा।

तारीख-ई-फीरोजशाही और फत्वा ई-जहानदारी में मुस्लिम इतिहासकार बर्नी ने लिखा है- जिन हिंदुओं ने अल्लाह का मजहब इसलाम स्वीकार नहीं किया, अलाउद्दीन ने उन्हें यातनाएँ देकर कत्ल करा दिया और उनके आश्रितों की दशा इतनी हीन, पतित और कष्ट युक्त बना दी थी और उन्हें इतनी दयनीय दशा में पहुँचा दिया था कि उनकी महिलाएँ और बच्चे मुसलमानों के घर भीख माँगने के लिए विवश थे।÷ अमीर खुसरो लिखता है- 'तुर्क जब चाहते थे, हिंदुओं को पकड़ लेते, क्रय कर लेते अथवा बेच देते थे और उनकी महिलाओं को सुल्तान, उनके अफसरों या सिपहसालारों के हरम में भेज दिया जाता था।

इतिहास में दर्ज है कि एक सुल्तान फिरोज शाह तुगलक ने पवन दिनों पर हिन्दुओं के पवित्र स्नान पर प्रतिबंध लगा दिया था, ऐसी ही एक घटना में पवित्र स्नान कर रहे 20 हजार से हिन्दुओं को क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। इसका वर्णन उस सुल्तान की आत्मकथा में है। कौन सिखों के 9वें गुरु तेगबहादुर की शहादत को भूल सकता है जिन्हें 24 नवंबर 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक में औरंगजेब के आदेश पर धर्म और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए फाँसी दी गई थी और कारण क्या था, गुरुजी ने कश्मीरी पंडितों को जबरन धर्म परिवर्तन से बचाने और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता को बचाने का प्रयास किया। 10वें गुरु गोविंद सिंह जी के दो पुत्रों को किन्होंने दीवार से चुनवा दिया था।

भाजपा जनादेश नहीं क्षमा परब मनाये : दीपक बैज

रायपुर, 23 दिसम्बर। जनादेश नहीं क्षमा परब मनाए भाजपाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि किस बात का जनादेश परब मना रही है भाजपा सरकार? 2 साल पहले जिन वादो को जनता से कर जनादेश हासिल किया, उसको भूल गये, अब उत्सव मना रहे। 2 साल से किसान परेशान है, टोकन, तौलाई, बारदाना के लिए भटकने मजबूर है। दो सालों में मात्र डेढ़ किलोमीटर सड़क भी नही बना पाये। सड़के बदहाल है, मरम्मत तक नहीं हो पा रहा है। 10463 स्कूल बंद कर दिया, एक भी स्कूल नहीं खोले। हजारों शिक्षक रिटायर हुए लेकिन भर्ती रोक रखी है। 2 साल में पांच बार बिजली के दाम बढ़ाए गए, 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफकी योजना बंद है। भूखंडों की गाइड लाइन दरों में 800 प्रतिशत तक अनाप-शनाप वृद्धि कर दिया गया। 5 डिसमिल की रजिस्ट्रि बंद कर गरीबो को परेशान कर रहे है।

भाजपा सरकार की वादा खिलाफी से हर वर्ग परेशान होकर आंदोलन कर रहा है। पटवारी, पंचायत सचिव, मितानिन आंगनवाड़ी वर्कर सहित हर विभाग के कर्मचारी की सरकार के खिलाफआंदोलन कर रहे हैं। 100 दिन में अनियमित कर्मचारी को नियमित करने का वादा जुमला निकला उल्टे अनियमित कर्मचारी नौकरी से निकाले जा रहे हैं। 2 साल में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है सरकारी अस्पतालों में ना जांच हो रहा है ना इलाज हो रहा है ना ही दवाएं उपलब्ध है। 2 साल में छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़, अवैध नशे का गढ़ और भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया गया है। रेत माफिया, भू माफिया और खनन माफिया सरकार चला रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार ने अपने 2 साल के कार्यकाल में जनता का भरोसा खो दिया। सरकार के खिलाफ चौतरफा आक्रोश है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26